धरती की ओर आ रहा रहस्यमय... पेज 5

दैनिक

कारखाने का सफर

मुकाबले के चक्कर में आदमी का जीवन एक कारखाने के समान हो गया है, आदमी का सबसे विश्वसनीय अखबार

धनु संक्रांति की कुंडली से जाने अगले... पेज 7

वर्ष 6, अंक 156 | भोपाल, मंगलवार 16 दिसंबर, 2025 | पौष कृष्ण शुक्ल पक्ष, द्वादशी, 2082 | मूल्य 2 रुपए

वाह क्या स्वागत है, जॉर्डन में प्रवासी भारतीयों ने जीता पीएम मोदी का दिल

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अम्मान के एक होटल में आगमन पर भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। यह उनके तीन देशों के दौरे के जॉर्डन चरण की शुरुआत थी। भारतीय समुदाय के सदस्य प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए एकत्रित हुए, जो मजबूत जन-संबंधों और देश में उनके दौरे को लेकर व्याप्त उत्साह को दर्शाता है।
प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की त्रिपक्षीय यात्रा पर रवाना हुए। इस यात्रा के दौरान वे तीनों देशों के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे, जिसका उद्देश्य भारत के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करना है।
जॉर्डन की यात्रा चार दिवसीय दौरे का पहला चरण है। अपने प्रवास के दौरान, प्रधानमंत्री का किंग अब्दुल्ला द्वितीय इब्न अल हुसैन और प्रधानमंत्री जाफर हसन से मुलाकात का कार्यक्रम है। यह यात्रा भारत और जॉर्डन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है और इससे द्विपक्षीय संबंधों को नई गति मिलने की उम्मीद है। जॉर्डन में रहते हुए, प्रधानमंत्री मोदी भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत करेंगे, जिनके बारे में उन्होंने कहा है कि उन्होंने भारत-जॉर्डन संबंधों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
अम्मान में अपने कार्यक्रम समाप्त करने के बाद, प्रधानमंत्री इथियोपिया के संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य की यात्रा करेंगे। वहां, वे प्रधानमंत्री अबी अहमद अली से मुलाकात करेंगे, भारतीय प्रवासी समुदाय से बातचीत करेंगे और इथियोपियाई संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे।
इथियोपिया दौरे का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मुझे संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने का सौभाग्य भी प्राप्त होगा, जहां मैं भारत के 'लोकतंत्र की जननी' के रूप में सफर और भारत-इथियोपिया साझेदारी से वैश्विक दक्षिण को मिलने वाले लाभों पर अपने विचार साझा करने के लिए उत्सुक हूं। दौरे के अंतिम चरण में, प्रधानमंत्री सुल्तान हैथम बिन तारिक के निमंत्रण पर ओमान सल्तनत का दौरा करेंगे। यह उनकी ओमान की दूसरी यात्रा होगी और इसे तीन देशों के दौरे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

जार्डन पहुंचे पीएम मोदी, अम्मान पहुंचे पीएम मोदी, जॉर्डन के प्रधानमंत्री ने एयरपोर्ट पर किया स्वागत

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को जॉर्डन के दो दिवसीय दौरे के लिए अम्मान पहुंचे, जो उनके तीन देशों के दौरे की शुरुआत है। जॉर्डन पहुंचने पर उनका स्वागत जॉर्डन के प्रधानमंत्री जाफर हसन ने किया।जॉर्डन का यह दौरा किंग अब्दुल्ला द्वितीय बिन अल हुसैन के निमंत्रण पर हो रहा है और इसका उद्देश्य भारत और जॉर्डन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। प्रधानमंत्री मोदी बहुदेशीय वार्ता शुरू करने के लिए सोमवार को ही नई दिल्ली से रवाना हुए थे।15 से 16 दिसंबर तक अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय बिन अल हुसैन के साथ भारत-जॉर्डन संबंधों की समग्र समीक्षा करने और प्रमुख क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर विचार-विमर्श करेंगे।
यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत और जॉर्डन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है, जो द्विपक्षीय सहयोग को और अधिक मजबूत करने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी इस यात्रा के दौरान जॉर्डन में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत करेंगे।
अपने प्रस्थान वक्तव्य में प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं तीन देशों - जॉर्डन के हाशमी साम्राज्य, इथियोपिया के संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य और ओमान के सल्तनत - की यात्रा पर जा रहा हूँ। इन तीनों देशों के साथ भारत के सदियों पुराने सभ्यतागत संबंध और साथ ही व्यापक समकालीन द्विपक्षीय संबंध हैं। जॉर्डन की यात्रा पूरी करने के बाद, प्रधानमंत्री मोदी 16 से 17 दिसंबर तक इथियोपिया की यात्रा करेंगे, जो अफ्रीकी देश की उनकी पहली यात्रा होगी। अदीस अबाबा में उनके इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली के साथ द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा करने की उम्मीद है। अदीस अबाबा में अफ्रीकी संघ का मुख्यालय भी स्थित है।इथियोपिया यात्रा के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा मैं संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य इथियोपिया की अपनी पहली यात्रा कर रहा हूँ। अदीस अबाबा अफ्रीकी संघ का मुख्यालय भी है। 2023 में भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान, अफ्रीकी संघ को जी20 के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। अदीस अबाबा में, मैं महामहिम डॉ. अबी अहमद अली के साथ विस्तृत चर्चा करूँगा और वहाँ रहने वाले भारतीय प्रवासियों से मिलने का अवसर भी प्राप्त करूँगा।

अमीर प्रदूषण फैलाते हैं, गरीब मार झेलते हैं...दिल्ली की जहरीली हवा पर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में बिगड़ते वायु प्रदूषण से संबंधित मामलों में वह प्रभावी आदेश पारित करेगा, जिन्हें लागू किया जा सकेगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि वह दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण संकट के मामले की सुनवाई 17 दिसंबर को करेगी। वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह, जो एमिकस क्यूरी के रूप में बेंच की सहायता कर रही हैं। बेंच के समक्ष यह मामला उठाते हुए कहा कि हालांकि निवारक उपाय लागू हैं, लेकिन अधिकारियों द्वारा उनका खराब कार्यान्वयन ही मुख्य समस्या है। उन्होंने कहा कि जब तक यह अदालत कोई निर्देश नहीं देती, अधिकारी पहले से मौजूद प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते।
इस पर पीठ ने कहा, यह मामला बुधवार को तीन न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष आएगा। इस पर सुनवाई अवश्य होगी। चीफ जस्टिस ने कहा कि हम समस्या को जानते हैं और हम ऐसे आदेश पारित करेंगे जिनका पालन किया जा सके। कुछ निर्देश ऐसे हैं जिन्हें बलपूर्वक लागू किया जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी टिप्पणी की कि प्रदूषण की मार सबसे ज्यादा गरीबों पर पड़ती है, जबकि प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों में अक्सर संपन्न वर्ग की भूमिका होती है। एमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने इससे सहमति जताते हुए कहा कि गरीब मजदूर इस संकट से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। महानगरों में लोगों की अपनी लाइफस्टाइल होती है और वो गंभीर वायु प्रदूषण के बावजूद उसमें बदलाव नहीं लाना चाहते। लेकिन गरीबों का क्या होगा।
एक अन्य वकील ने बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित एक आवेदन का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व आदेशों के बावजूद स्कूलों में बाहरी खेल गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। राज्य अदालत के आदेश तक कोई कार्रवाई नहीं करेंगे... पिछले महीने आदेश पारित किया गया था कि दिसंबर-जनवरी में खेल आयोजन नहीं होंगे, इसके बावजूद ऐसे आयोजनों के लिए आदेश पारित किए जाने के बाद भी, उन्होंने आदेश को दरकिनार करने के तरीके खोज लिए हैं। मुख्य न्यायाधीश ने जवाब दिया हम समस्या को जानते हैं और आइए हम ऐसे आदेश पारित करें जिनका पालन किया जा सके। कुछ निर्देश ऐसे हैं जिन्हें सख्ती से लागू किया जा सकता है। इन शहरी महानगरों में लोगों की अपनी जीवनशैली होती है।
सिंह ने कहा कि गरीब मजदूर सबसे ज्यादा पीड़ित हैं, और उन्होंने आगे कहा कि जीआरएपी-IV उपायों के लागू होने से निर्माण मजदूर अब बेरोजगार हो गए हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हम केवल प्रभावी आदेश ही पारित करेंगे, कुछ निश्चित निर्देश हैं जिन्हें लागू किया जा सकता है, लोगों को उन परिस्थितियों के अनुरूप ढलना होगा। उन्हें अपनी जीवनशैली में बदलाव करना होगा... महानगरों में लोगों की अपनी जीवनशैली होती है जिसे वे नहीं बदलते, समस्या धनी वर्ग के साथ उत्पन्न होती है, गरीब वर्ग प्रभावित होता है

जेन-जी आंदोलन के 3 माह बाद बाद ओली का शक्ति प्रदर्शन

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

नेपाल की सबसे बड़ी कम्युनिस्ट पार्टी सीपीएन-यूएमएल का 11वां आम महाधिवेशन भक्तपुर में शुरू हुआ। इस अवसर पर पार्टी ने काठमांडू घाटी में बड़ी राजनीतिक रैली की। पुलिस के मुताबिक करीब 70 हजार लोग शामिल हुए, जबकि आयोजकों ने 3 लाख समर्थकों के जुटने का दावा किया। महाधिवेशन ऐसे समय हो रहा है जब पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली सितंबर 2025 में हुए जेन-जी भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के बाद सत्ता से बाहर हुए थे। इन प्रदर्शनों में 77 लोगों की मौत और 2,000 लोग घायल हुए थे।
सोमवार को पार्टी 15 पदाधिकारियों और 251 सदस्यीय केंद्रीय समिति का चुनाव करेंगी। 73 वर्षीय ओली अध्यक्ष पद के दावेदार हैं, उनका मुकाबला 71 वर्षीय ईश्वर पोखरेल से है। सोमवार शाम को तय होगा कि ओली ही पार्टी अध्यक्ष रहेंगे या नए लोगों को मौका मिलेगा। सीपीएन-यूएमएल की ओर से शनिवार को भक्तपुर जिले के सल्लघारी में आयोजित रैली में ओली ने लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए पार्टी सहयोगियों का समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि सितंबर में 'जेन जेड' समूह के नेतृत्व में हुए आंदोलन के दौरान यूएमएल के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद पार्टी एक गंभीर संकट का सामना कर रही है। सूत्रों के अनुसार, 'जेन जेड' समूह के आंदोलन के बाद पार्टी के भीतर शीर्ष नेतृत्व में बदलाव और केंद्रीय समिति सहित प्रमुख पदों पर युवाओं को अधिक प्रतिनिधित्व देने की मांग जोर पकड़ने लगी है।

बीजेपी हेडक्वार्टर में नितिन ने संभाली कार्यकारी अध्यक्ष की कुर्सी

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

45 वर्षीय नितिन नबीन भाजपा के सबसे युवा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हैं। बिहार से पांच बार विधायक रह चुके नबीन वर्तमान में राज्य के सड़क निर्माण मंत्री हैं और इससे पहले शहरी विकास एवं आवास एवं विधि विभाग जैसे विभागों का कार्यभार संभाल चुके हैं।
भाजपा के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और अन्य पार्टी नेताओं की उपस्थिति में पदभार ग्रहण किया। राजधानी में भाजपा मुख्यालय पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। अमित शाह, जेपी नड्डा, पीयूष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान, रवि शंकर प्रसाद और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित कई नेता पार्टी कार्यालय में उनका स्वागत करने के लिए उपस्थित थे।
45 वर्षीय नितिन नबीन भाजपा के सबसे युवा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हैं। बिहार से पांच बार विधायक रह चुके नबीन वर्तमान में राज्य के सड़क निर्माण मंत्री हैं और इससे पहले शहरी विकास एवं आवास एवं विधि विभाग जैसे विभागों का कार्यभार संभाल चुके हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के पुत्र नबीन के पास प्रशासनिक अनुभव के साथ-साथ पार्टी के भीतर एक लंबा संगठनात्मक करियर भी है। वे आज पदभार ग्रहण करने वाले हैं।
दिल्ली रवाना होने से पहले एएनआई से बात करते हुए नबीन ने बिहार और अपने निर्वाचन क्षेत्र की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया और राष्ट्रीय स्तर पर इस पद तक पहुंचने का श्रेय उनके आशीर्वाद को दिया। उन्होंने कहा, "मेरे निर्वाचन क्षेत्र की जनता ने मुझे आशीर्वाद दिया। उनके आशीर्वाद से ही यह संभव हो पा रहा है।" नबीन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन को भी स्वीकार किया, जिन्होंने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी।
पांच बार विधायक रह चुके नबीन बिहार के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और बिहार सरकार में दो बार मंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। बिहार में मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल और छत्तीसगढ़ में पार्टी प्रभारी के रूप में उनकी भूमिका वास्तव में उत्कृष्ट रही है और उनके प्रभावी संगठनात्मक नेतृत्व की झलक मिलती है। भाजपा संसदीय बोर्ड ने इस पद के लिए नवीन को चुना है। वर्तमान में, वे बिहार में पीडब्लू मंत्री और पटना के बांकीपुर से विधायक हैं।

जय शाह ने लियोनेल मेसी को थमाई टीम इंडिया की जर्सी, टी20 वर्ल्ड कप मैच का टिकट भी किया गिफ्ट, CM रेखा गुप्ता रहीं मौजूद

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने सोमवार, 15 दिसंबर को अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी और स्टार फुटबॉलर लुइस सुआरेज़ और रोड्रिगो डी पॉल को भारत की टी20 विश्व कप जर्सी भेंट की। बीबीसी के पूर्व अध्यक्ष शाह, दिल्ली के स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित कई गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और भारत के दिग्गज फुटबॉलर बाइचुंग भूटिया भी उपस्थित थे। शाह ने मेस्सी को भारत की जर्सी भेंट की, जिस पर उनका नाम और जर्सी नंबर लिखा हुआ था। आईसीसी अध्यक्ष ने मेस्सी को भारत और अमेरिका के बीच होने वाले टी20 विश्व कप मैच का टिकट भी दिया। इसी बीच, मेस्सी ने अरुण जेटली स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों को संबोधित करते हुए कहा कि वह भारत लौटेंगे। उन्होंने कहा, "हम इस प्यार को अपने साथ लेकर चल रहे हैं - हम निश्चित रूप से लौटेंगे - उम्मीद है कि किसी दिन मैच खेलने या किसी अन्य अवसर पर, लेकिन हम निश्चित रूप से भारत आएंगे। बहुत-बहुत धन्यवाद। भारत में बिताए इन दिनों के दौरान मिले प्यार और स्नेह के लिए मैं सभी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं - यह हमारे लिए सचमुच एक खूबसूरत अनुभव था।"
मेस्सी अपने GOAT इंडिया दौरे के तीसरे और अंतिम दिन दिल्ली में थे। वह दोपहर में दिल्ली पहुंचे और एक विशेष कार्यक्रम के लिए अरुण जेटली स्टेडियम पहुंचे। सेलिब्रिटी मेस्सी ऑल स्टार्स और मिनर्वा मेस्सी ऑल स्टार्स के बीच एक प्रदर्शनी मैच चल रहा था, और अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी के स्टेडियम पहुंचने पर मिनर्वा ऑल स्टार्स ने सेलिब्रिटी मेस्सी को 6-0 से हरा दिया। स्टेडियम में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया और प्रशंसकों ने उनके लिए जयकारे लगाए। स्टेडियम खचाखच भरा हुआ था क्योंकि बड़ी संख्या में प्रशंसक फुटबॉल के इस दिग्गज खिलाड़ी को लाइव देखने के लिए आए थे।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय

गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबर: 9826035849, 9425006706

खाद की कालाबाजारी में 7 महीने में 91 एफआईआर, देश में तीसरे नंबर पर एमपी, 204 के लाइसेंस सस्पेंड, यूपी में सबसे ज्यादा केस

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी और डायवर्जन यानी गलत जगह सप्लाई के खिलाफ की गई कार्रवाई में मध्य प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर रहा है। केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार 1 अप्रैल से 28 नवंबर 2025 के बीच मध्य प्रदेश में कुल 91 एफआईआर दर्ज की गईं, जबकि 204 खाद विक्रेताओं और संस्थानों के लाइसेंस निलंबित या रद्द किए गए।

यूपी सबसे आगे, एमपी टॉप-3 में : देशभर के आंकड़ों पर नजर डालें तो उत्तर प्रदेश में खाद की कालाबाजारी, खराब क्वालिटी, गलत जगहों पर सप्लाई जैसे मामलों को लेकर 197 एफआईआर दर्ज की गईं, जो देश में सबसे ज्यादा हैं। राजस्थान 103 एफआईआर के साथ दूसरे स्थान पर रहा। वहीं, 91 एफआईआर दर्ज कर मध्य प्रदेश तीसरे नंबर पर है।

एमपी में किस तरह की कार्रवाई हुई : सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश में अप्रैल से 28 नवंबर 2025 के बीच 5,581 निरीक्षण और छापे की कार्रवाइयां की गईं। इस दौरान एमपी में 204 लाइसेंस सस्पेंड और रद्द किए गए। कालाबाजारी के साथ-साथ खाद के डायवर्जन (गलत जगह सप्लाई) और घटिया गुणवत्ता के मामलों में भी कार्रवाई हुई।

खाद के मामले में राज्यों की स्थिति :

- कालाबाजारी में हर मोर्चे पर उत्तर प्रदेश देश में सबसे आगे।
- जमाखोरी में नोटिस कर्नाटक, लाइसेंस कार्रवाई उत्तर प्रदेश और FIR राजस्थान में सबसे ज्यादा।
- घटिया गुणवत्ता में महाराष्ट्र सबसे बड़ा एक्शन स्टेट।
- गलत सप्लाई/विपथन में नोटिस ओडिशा, लाइसेंस कार्रवाई मध्य प्रदेश और FIR राजस्थान में सबसे ज्यादा।
- कुल FIR के आधार पर उत्तर प्रदेश पहले, राजस्थान दूसरे और मध्य प्रदेश तीसरे स्थान पर।

उत्तर प्रदेशः खाद की कालाबाजारी में यूपी देश में सबसे आगे है। यूपी में खाद की ब्लैक मार्केटिंग के मामले में 2043 नोटिस जारी किए गए। यूपी में 2742 लाइसेंस रद्द या सस्पेंड किए गए। कालाबाजारी के मामले में देश में सबसे ज्यादा 165 एफआईआर भी यूपी में ही दर्ज की गईं।

कालाबाजारी (Black Marketing) — टॉप–5 राज्य

राज्य	कारण बताओ	लाइसेंस रद्द/निलंबित	FIR
उत्तर प्रदेश	2,043	2,742	165
बिहार	1,035	607	77
राजस्थान	589	76	46
कर्नाटक	365	22	0
छत्तीसगढ़	294	13	4

खाद की कालाबाजारी के मामलों में एफआईआर दर्ज करने वाले राज्यों में यूपी देश में पहले नंबर पर है। उत्तर प्रदेश में खाद की ब्लैक मार्केटिंग के मामले में 165 एफआईआर दर्ज की गई हैं। दूसरे नंबर पर बिहार में 77 और तीसरे नंबर पर एमपी में 72 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

जमाखोरी (Hoarding) — टॉप–5 राज्य

राज्य	कारण बताओ	लाइसेंस रद्द/निलंबित	FIR
कर्नाटक	243	5	0
उत्तर प्रदेश	164	139	8
राजस्थान	45	17	30
हरियाणा	18	18	4
तमिलनाडु	6	8	0

जमाखोरी की एमपी में एक भी एफआईआर नहीं

खाद की जमाखोरी के मामलों में सबसे ज्यादा 30 एफआईआर राजस्थान में दर्ज की गई हैं। दूसरे नंबर पर यूपी में आठ, तीसरे नंबर पर हरियाणा में चार एफआईआर दर्ज की गई हैं। एमपी में खाद की जमाखोरी के मामले में एक भी केस दर्ज नहीं हुआ है।

घटिया गुणवत्ता (Sub-standard Fertilizer) — टॉप–5 राज्य

राज्य	कारण बताओ नोटिस		लाइसेंस रद्द/निलंबित	दर्ज FIR
महाराष्ट्र	1,139	37	1	
ओडिशा	107	3	0	
मध्य प्रदेश	44	4	0	
तमिलनाडु	25	0	0	
कर्नाटक	14	2	0	

खाद की घटिया क्वालिटी के मामलों में सबसे ज्यादा नोटिस जारी करने वाले राज्यों में महाराष्ट्र पहले नंबर पर और एमपी तीसरे नंबर पर है। महाराष्ट्र ने खाद की खराब गुणवत्ता के मामलों में 1139 नोटिस जारी किए हैं। दूसरे नंबर पर ओडिशा ने 107 और तीसरे नंबर पर एमपी में 44 नोटिस जारी किए गए हैं।

गलत सप्लाई (Diversion) — टॉप–5 राज्य

राज्य	नोटिस	रद्द/निलंबित	FIR
ओडिशा	1,966	107	3
मध्य प्रदेश	631	160	15
महाराष्ट्र	1	73	1
राजस्थान	15	16	25
आंध्र प्रदेश	7	2	3

खाद की गलत जगह सप्लाई करने के मामले में एमपी देश में पहले नंबर पर है। ऐसे मामलों में एमपी में 631 नोटिस जारी किए गए और 160 खाद विक्रेताओं के लाइसेंस सस्पेंड या रद्द करने की कार्रवाई हुई। एमपी में इस प्रकार के मामलों में 15 एफआईआर दर्ज की गईं।

दिल्ली में घने कोहरे का असर, भोपाल में उड़ानें प्रभावित

दिल्ली–भोपाल रूट की 4 उड़ानें लेट, एक जोड़ी रद्द, यात्रियों से संपर्क में रहने की अपील

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

दिल्ली में खराब मौसम और घने कोहरे के कारण रविवार को भोपाल एयरपोर्ट पर हवाई परिचालन प्रभावित रहा। सुबह 12 बजे तक दिल्ली से भोपाल आने-जाने वाली कई उड़ानों में देरी दर्ज की गई, जबकि एक जोड़ी उड़ान रद्द कर दी गई। एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार दिल्ली–भोपाल सेक्टर की इंडिगो की फ्लाइट 6E6602 और एयर इंडिया की AI1705 देरी से भोपाल पहुंचीं। इसके चलते इन उड़ानों की वापसी में जाने वाली 6E6603 और AI1886 भी लेट रहीं। वहीं, खराब मौसम के चलते इंडिगो की 6E6364/6365 (दिल्ली–भोपाल–दिल्ली) उड़ान जोड़ी को रद्द कर दिया गया। इससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा।

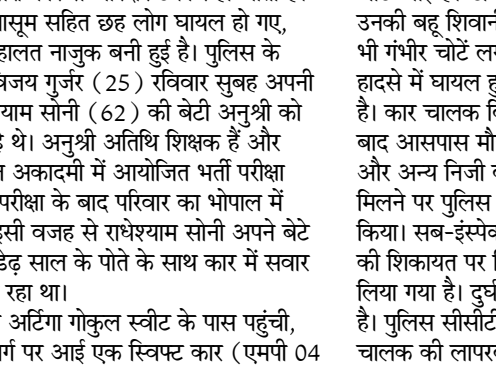

एयरपोर्ट अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे एयरपोर्ट आने से पहले अपनी संबंधित एयरलाइंस से उड़ान की ताज़ा स्थिति जरूर जांच लें, ताकि अनावश्यक परेशानी से बचा जा सके। दिल्ली में मौसम सामान्य होने के बाद परिचालन के पटरी पर लौटने की उम्मीद जताई जा रही है।

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर कम हुआ तो दिल्ली में हवा थम गई। इसके चलते राजधानी रविवार को ठंड, स्मॉग और प्रदूषण के ट्रिपल अटैक की चपेट में आ गई। ग्रैप-4 लागू होने के बावजूद वजीरपुर और रोहिणी इलाकों में AQI 500 के लेवल तक पहुंच गया। प्रदूषक कण वातावरण में फंसे रहे और राजधानी गैस चेंबर बन गई। रविवार को इस साल का सबसे घना कोहरा भी छाया। अक्षरधाम समेत कई इलाकों में विजिबिलिटी 50 मीटर तक सिमट गई। धुंध-कोहरे के कारण 60 फ्लाइट रद्द कर दी गईं, जबकि 250 देरी से चल रही हैं।

दिल्ली शंखनाद महोत्सव : भारत की सामरिक नीति पर मंथन!

विश्व सनातन संस्कृति की ओर अग्रसर –डॉ. सुधांशु त्रिवेदी

दैनिक कारखाने का सफर। नवी दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जो लोग कभी सनातन संस्कृति की आलोचना करते थे, वे आज उसके मूल्यों को अपना रहे हैं। लोग अब रासायनिक खेती के स्थान पर जैविक खेती अपना रहे हैं, चाय-कॉफी के स्थान पर 'हर्बल टी' की ओर रुख कर रहे हैं, और पहले जो एकेश्वरवाद की बात करते थे, वे अब अनेक देवताओं को मानने लगे हैं। 177 देशों ने संयुक्त राष्ट्र में भारत द्वारा प्रस्तावित 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के प्रस्ताव का समर्थन किया है। यूरोपीय देशों के लाखो नागरिक भी अब कुंभ मेले में सम्मिलित होने आने लगे हैं। यह परिवर्तन सनातन संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति का द्योतक है। यह बदलाव बिना किसी पर आक्रमण किए स्वाभाविक रूप से हो रहा है, उन्होंने कहा। वे 'सेव कल्चर सेव भारत फाउंडेशन' और 'सनातन संस्था' द्वारा आयोजित 'सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव' में बोल रहे थे।

"'गज़वा-ए-हिंद' को वैचारिक उत्तर देना होगा" - कर्नल आर.एस.एन. सिंह

कार्यक्रम के 'रणसंवाद – भारत की सामरिक नीति' सत्र में 'रॉ' के पूर्व अधिकारी कर्नल आर.एस.एन. सिंह ने कहा कि 'हमारे देश में एक अंदरूनी पाकिस्तान भी

मौजूद है। हम पाकिस्तान के विरुद्ध 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी कार्रवाई कर सकते हैं, परंतु देश के भीतर के पाकिस्तान से कैसे निपटेंगे? आज राजनीति में सत्ता पाने का एक माध्यम अंदरूनी पाकिस्तान एवं देशद्रोहियों की मदद लेना बन गया है। अब 'गज़वा-ए-हिंद' के वैचारिक युद्ध का आरंभ करना आवश्यक है।'

विंग कमांडर विनायक डावरे ने कहा कि '1971 के युद्ध में 93,000 पाक सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया, परंतु हम 'नैरेटिव की लड़ाई' हार गए। भारत को अपनी सफलताओं का सही प्रचार कर देश की छवि मजबूत करनी होगी।'

ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) संजय अग्रवाल ने कहा , 'भारत–चीन 1962 के युद्ध पर अक्सर चर्चा होती है, लेकिन 1967 के युद्ध में भारत ने चीन को पराजित किया था, यह भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। भारत अपनी शक्ति को पहचाने, इसके लिए ऐसे महोत्सवों की आवश्यकता है। देश को अपने लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए।' 'यूथ फॉर पनून कश्मीर' के अध्यक्ष श्री राहुल कौल ने कश्मीरी हिंदुओं के संघर्ष के बारे में बताते हुए कहा, 'कश्मीरी हिंदुओं का नरसंहार हुआ, यह बात सरकारें आज भी मानने को तैयार नहीं हैं। पर्यटन से आतंकवाद रुक जाएगा, इस भ्रम में कोई न रहे। जगती, जम्मू में 16 जनवरी 2026 से एक विशेष अभियान शुरू कर रहे हैं। जम्मू–कश्मीर के हिंदुओं को देश के सभी हिंदुओं के सहयोग की आवश्यकता है।'

दूरदर्शन (डीडी) न्यूज़ के संपादक श्री अशोक श्रीवास्तव ने कहा, 'जब कुछ राजनीतिक नेता हिंदुत्व को डेंगू, मलेरिया, एड्स कहते हैं, तब मीडिया चुप रहती है। वर्तमान में इस्लामोफोबिया की चर्चा हो रही है। वास्तव में हिंदूफोबिया बहुत बड़े स्तर पर है। हिंदूफोबिया पर एक रिपोर्ट है। भारत में दिसंबर 2025 के पहले 11 दिनों में केवल हिंदू होने के कारण हिंदुओं को परेशान किए जाने की 104 घटनाएँ हुई हैं।'

प्रदेश की लाड़ली बेटियाँ, भविष्य की सशक्त पहचान राज्यमंत्री डॉ टेटवाल

राज्यमंत्री डॉ टेटवाल ने किया महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं छात्रावास का किया औचक निरीक्षण

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

प्रदेश सरकार के तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री डॉ गौतम टेटवाल सोमवार को ओल्ड एबी रोड स्थित महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं छात्रावास का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान राज्यमंत्री डॉ गौतम टेटवाल ने विद्यालय परिसर में छात्राओं से आत्मीय संवाद किया डॉ टेटवाल ने छात्राओं द्वारा बनाई गई सृजनात्मक कलाकृतियों का भी अवलोकन कर प्रतिभा की चमक

को नजदीक से महसूस किया।प्रदेश की ये लाड़ली बेटियाँ शिक्षा, कला और संस्कारों के संग हर क्षेत्र में प्रदेश का नाम रोशन करेंगी, इसी विश्वास के साथ उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।निरीक्षण के दौरान छात्रावास में हुए नवीन निर्माण कार्यों के सुचारू, सुरक्षित एवं व्यवस्थित संचालन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता निर्मल जैन,सुधीर श्रीमाल,लोकेंद्र गुर्जर संकुल प्राचार्य दिनेश गुप्ता सहित स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा।

भोपाल में दो कारों की टक्कर का VIDEO:डेढ़ साल के मासूम समेत 6 घायल... रिटायर्ड टीचर की हालत गंभीर

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल के कोलार रोड स्थित गोकुल स्वीट के पास रविवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज में एक कार तेज रफ्तार में सर्विस रोड से मुख्य मार्ग पर अचानक आती है और सामने से आ रही दूसरी कार से जोरदार टक्कर हो जाती है। इस हादसे में डेढ़ साल के मासूम सहित छह लोग घायल हो गए, जबकि रिटायर्ड शिक्षक की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस के अनुसार, सारंगपुर निवासी विजय गुर्जर (25) रविवार सुबह अपनी अर्टिगा कार से पड़ोसी राधेश्याम सोनी (62) की बेटी अनुश्री को परीक्षा दिलाने भोपाल आ रहे थे। अनुश्री अतिथि शिक्षक हैं और कोलार रोड स्थित विध्यांचल अकादमी में आयोजित भर्ती परीक्षा में शामिल होने जा रही थीं। परीक्षा के बाद परिवार का भोपाल में घूमने का भी कार्यक्रम था। इसी वजह से राधेश्याम सोनी अपने बेटे अश्विन, बहू शिवानी और डेढ़ साल के पोते के साथ कार में सवार थे। वाहन विजय गुर्जर चला रहा था।

सुबह करीब 8.30 बजे जब अर्टिगा गोकुल स्वीट के पास पहुंची, तभी सर्विस रोड से मुख्य मार्ग पर आई एक स्विफ्ट कार (एमपी 04 सीआर 0939) अनियंत्रित हो गई। सीसीटीवी फुटेज में नजर आ रहा है कि स्विफ्ट तेज गति में थी और चालक ने मुख्य सड़क पर आते समय न तो गति कम की और न ही सतर्कता बरती। इसी लापरवाही के चलते दोनों कारों में आमने-सामने की टक्कर हो गई।

हादसे में रिटायर्ड शिक्षक राधेश्याम सोनी के हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। उनकी बहू शिवानी, बेटी अनुश्री सोनी और बेटे अश्विन सोनी को भी गंभीर चोटें लगी हैं। इसके अलावा डेढ़ साल का मासूम बच्चा भी हादसे में घायल हुआ है। सभी घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। कार चालक विजय गुर्जर को मामूली चोटें आई हैं। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को ऑटो और अन्य निजी वाहनों से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। सब-इंस्पेक्टर कमल सिंह ने बताया कि फरियादी विजय गुर्जर की शिकायत पर स्विफ्ट कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। दुर्घटना में शामिल दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हादसे की परिस्थितियों और चालक की लापरवाही की जांच कर रही है।

भारतीय मजदूर संघ मध्यप्रदेश स्वावलंबी भारत अभियान का एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भारतीय मजदूर संघ मध्यप्रदेश ठेगडी भवन में स्वावलंबी भारत अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमे भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय अध्यक्ष हिरण्मय पंड्या , अखिल भारतीय उपाध्यक्ष के.पी. सिह. क्षेत्रीय संगठन मंत्री मध्यप्रदेश छतीसगढ़ सुनील किरवई. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्यप्रांत के प्रांत कार्यवाह हेमंत सेठिया, क्षेत्र संगठन मंत्री स्वदेशी जागरण मंच के केशव दुबोलिया , स्वावलंबी भारत अभियान के अ. भा. समन्वयक जितेन्द्र गुप्ता एवं मध्यप्रदेश भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर व स्वाबलम्बी भारत अभियान भा.म.स मध्यप्रदेश के संयोजक अशोक प्रताप सिह उपस्थित रहे।

अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर भारतमाता, विश्वकर्मा जी. दतोपंत ठेंगड़ी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित किया गया। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। स्वावलंबी भारत अभियान की शुरुआत 21 अगस्त 2022 में भारत को आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रमुख उद्देश्य के साथ की गई।

अखिल भारतीय अध्यक्ष भा.म संघ हिरण्मय पड्या व हेमंत सेठिया द्वारा उपस्थित जिला संयोजको को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। मध्यप्रदेश के 55 जिलो से संयोजको सहित 86 कार्यकर्ताओं की उपस्थित रही। स्वाबलंबी भारत का उद्देश्य भारत के युवाओ को नौकरी खोजने वाला नहीं, अपितु रोजगार देने वाला बनाने पर केन्द्रीत है।

युवाओं की मानसिकता में बदलाव लाना, गरीबी मुक्त भारत, भारत के प्रत्येक व्यक्ति को रोजगार प्रदान करना, 2030 तक भारत को 10 ट्रिलियन की इकोनामी निर्मित करना। उंकम पद पदकपं के तहत स्वदेशी उत्पादो और भारतीय विकास माडल पर आधारित अर्थव्यवस्था कोबढ़ावा देना।

प्रमुख गतिविधियाँ-

स्वावलंबी भारत अभियान कई माध्यमों से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करता है: जन जागरुकता अभियान: सेमिनार, कार्यशालाएँ और सम्मेलनों का आयोजन करके लोगों में उद्य मिता, आत्मनिर्भरता और धन सृजन के महत्व को समझाना।

रोजगार सृजन केंद्र (रोजगार केन्द्रस):

देश भर के प्रत्येक जिले में जिला स्वावलंबन केंद्र स्थापित करना।

ये केंद्र युवाओं को स्व-रोजगार, उद्यमिता और स्टार्टअप के लिए समर्थन और मार्गदर्शन के लिए भौतिक

बिंदु (फिजिकल पॉइंट) के रूप में कार्य करते हैं।

डिजिटल प्लेटफॉर्म (मिस्बा):

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ऐ) द्वारा संचालित एक डिजिटल इकोसिस्टम बनाना।

यह युवाओं को मेटरशिप, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और सरकारी योजनाओं की जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध कराता है।

कौशल विकास (स्किल डेवलेपमेंट) रू

युवाओं को कौशल और क्षमता से लैस करना ताकि वे खुद के लिए और दूसरों के लिए रोजगार पैदा कर सकें।

समन्वित प्रयास: स्थानीय स्तर पर रोजगारोन्मुख उद्यमों और परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए सहयोग और समन्वय स्थापित करना।

यह अभियान विभिन्न संगठनों के साथ मिलकर काम करता है ताकि एक मजबूत, आत्मनिर्भर भारत का निर्माण किया जा सके।

स्वावलंबी भारत अभियान (सबा) सीधे तौर पर किसी एक सरकारी योजना द्वारा नहीं चलाया जाता है, बल्कि यह एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक आंदोलन है जिसका मुख्य उद्दे श्य सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह की उद्यतमिता और रोजगार योजनाओं के बारे में जागरुकता फैलाना और उनका लाभ युवाओं तक पहुँचाना है। चूंकि इस अभियान का फोकस उद्यमिता, स्व-रोजगार और कौशल विकास पर है. इसलिए यह भारत सरकार की निम्नलिखित प्रमुख योजनाओं से संबंधित है और उनका लाभ उठाने के लिए युवाओं को प्रेरित करता है, साथ ही छतरपुर में स्वावलंबी भारत के तहत विकसित माडल को भी प्रस्तुत किया गया। स्वदेशी जागरण मंच के क्षेत्र संगठन मंत्री केशव दुबोलिया द्वारा स्वदेशी व स्वालंबन से राष्ट्र निर्माण पर प्रकाश डाला गया। स्वावलंबी भारत अभियान के अ. भा. समन्वयक जितेन्द्र गुप्त का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ आपने प्रजेंटेशन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में युवाओं के योगदान को बढ़ाने एवं प्रत्येक परिवार में स्व का बोध जगाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

गुप्त ने महिलाओं को स्वावलंबी बनने की दिशा में स्टार्टअप के लिये प्रोत्साहित करते हुये जिला एवं तहसील स्तर पर कार्यशाला आयोजन करते हुये गाँवों तक अभियान को पहुंचाने का आव्हन किया जिसका उपस्थित कार्यकर्ताओं ने दोनों हाथ उठाकर भारत माता की जय के साथ समर्थन किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर द्वारा अवगत कराया गया कि प्रत्येक जिलों में संयोजक के माध्यम से टोली बनाकर कर युवाओं को प्रशिक्षण की जानकारी का अभियान चलाया जाएगा। युवाओं को स्टार्ट अप हेतु प्रेरित करना, स्वरोजगार हेतु जानकारी उपलब्ध कराना जिससे व्यक्ति, फिर समाज और समाज से राष्ट्र आत्मनिर्भर हो सके ।

भेल ने भारत सरकार को वर्ष 2024-25 के लिए 109.98 करोड़ रुपये का अंतिम लाभांश दिया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने भारत सरकार को वर्ष 2024-25 के लिए 109.98 करोड़ रुपये का अंतिम लाभांश दिया है।इस संबंध में, भारत सरकार द्वारा धारित इक्विटी (63.17%) पर अंतिम लाभांश के लिए एक चेक, एच.डी. कुमारस्वामी केंद्रीय मंत्री (भारी उद्योग एवं इस्पात) कोन के. सदाशिव मूर्ति, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीएचईएल द्वारा, कामरान रिज़वी, सचिव (एचआई) की उपस्थिति में प्रदान किया गया।इस अवसर पर बीएचईएल के निदेशक और भारी उद्योग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी के शेयरधारकों को दिया गया कुल लाभांश 174.10 करोड़ रुपये है।

शाहपुरा, गेहूंखेड़ा-ट्रांसपोर्ट नगर में आज बिजली कटौती, भोपाल के 40 इलाकों में असर

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल के करीब 40 इलाकों में मंगलवार को 2 से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। इसके चलते सप्लाई पर असर पड़ेगा। जिन इलाकों में बिजली बंद रहेगी, उनमें ट्रांसपोर्ट नगर, अनंतपुर, कोकता, शाहपुरा, बड़वई, बैरागढ़ चिचली, गेहूंखेड़ा, अमराई, बाग मुगालिया एक्सटेंशन, अरविंद विहार, लहारपुर समेत कई बड़े इलाके भी शामिल हैं। ऐसे में बिजली संबंधित जरूरी काम पहले से निपटा लें। ताकि परेशानी का सामना न करना पड़े।

इन इलाकों में पड़ेगा असर : सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक ट्रांसपोर्ट नगर, अनंतपुर, कोकता, शाहपुरा ए सेक्टर, ई-7 अशोका सोसायटी, विवेक अपॉर्टमेंट 1, 2-3 एवं आसपास। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक पलासी गांव, बड़वई, एक्सर ग्रीन, नाइस स्पेश कॉलोनी, राजनगर पलासी एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 3.30 बजे तक बैरागढ़ चिचली, मीनाखेड़ी, दौलतपुर, विप्सना सेंटर, पीर बादली, सतगढ़ी, अमराई, गेहूखेड़ा एवं आसपास के इलाके।

सुबह 11 से शाम 4 बजे तक परस्पर कॉलोनी, स्टारलिंग ग्रीन व्यू-1, अमलतास फेस-1, दीपक सोसायटी, भूमिका परिसर, छत्रपति कॉलोनी, अमरकुंज, कलियासोत आईरिंग कैम्पस एवं आसपास के इलाके।

प्रिंसिपल की फटकार के बाद हॉस्टल से भागे 2 छात्र

भोपाल के नवोदय से दो नाबालिग छात्र लापता, CCTV में नीलबड़ तक आए नजर

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल के रातीबड़ स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय से 2 नाबालिग छात्रों के लापता होने का मामला सामने आया है। दोनों छात्र वर्तमान में नौवीं कक्षा के विद्यार्थी हैं। ये कक्षा छठवीं से जवाहर नवोदय विद्यालय, रातीबड़ में आवासीय रूप से पढ़ाई कर रहे थे। शुक्रवार को विद्यालय की प्राचार्य पुष्पा सिंह ने दोनों छात्रों अंकित और धीरज को किसी बात को लेकर फटकार लगाई थी। साथ ही अगले दिन अभिभावकों को विद्यालय बुलाने की बात कही थी। बताया जा रहा है कि इस चेतावनी से दोनों छात्र भयभीत हो गए थे। उसी रात करीब एक बजे, जब हॉस्टल के हाल में अन्य छात्र सो रहे थे, तब चुपचाप पीछे की दीवार फांदकर स्कूल परिसर से बाहर निकल गए।

शनिवार सुबह छात्रों के हॉस्टल में नहीं मिलने पर स्कूल प्रबंधन ने रातीबड़ थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की, जिसमें शनिवार सुबह करीब पांच बजे दोनों छात्र नीलबड़ क्षेत्र में पैदल जाते हुए दिखाई दिए। इसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। फिलहाल पुलिस की टीमें संभावित स्थानों पर तलाश कर रही हैं। परिजनों को भी सूचना दे दी गई है और छात्रों की सुरक्षित बरामदगी के प्रयास जारी हैं। पुलिस का कहना है कि हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, लापता अंकित पिता सर्जन सिंह गुर्जर (16) और धीरज पिता करण सिंह गुर्जर बैरसिया क्षेत्र के रहने वाले हैं। अंकित कढ़ैया गांव का निवासी है, जबकि धीरज का परिवार बालाचोन गांव में रहता है। दोनों ही कृषक परिवारों से ताल्लुक रखते हैं।

करियर कॉलेज के चंद्रकांत का चयन इंडियन मिलिट्री अकादमी अटैचमेंट कैंप के लिए हुआ

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

करियर कॉलेज ऑटोनॉमस के एनसीसी के (एस यू ओ) चंद्रकांत अरमोती का चयन आई एम ए अटैचमेंट कैंप के लिए हुआ। चंद्रकांत 16 12 2025 को देहरादून के लिए रवाना होंगे आई एम ए (इंडियन मिलिट्री अकादमी) देश की शान है जहां सेना के अधिकारियों को ट्रेनिंग दी जाती है । चंद्रकांत का आई एम ए जाना 4 एमपी बटालियन और एनसीसी करियर कॉलेज के लिए बड़े गर्व की बात है । चंद्रकांत की इस उपलब्धि पर करियर ग्रुप के अध्यक्ष श्री मनीष राजोरिया उपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति राजोरिया कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर चरनजीत कौर एवं एनसीसी अधिकारी मेजर मनोज कुमार सेलोकर ने हार्दिक बधाइयां दी और चंद्रकांत के उज्जवल भविष्य की कामना की।

गतांग से आगे : लोक कल्याण हेतु दादाजी का अवतरण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

तब दादाजी कहते हैं अरे भाई यहाँ ऐसा कुछ नहीं होता तुम यहाँ से चले जाओ। तब वह कर्मचारी पुनः

बोलता है दादाजी मुझे पता है आप सबकी समस्याओं का निवारण करते हो मैंने सबसे यही सुना है। आप तो मुझे यह बता दीजिये ये दो अगरबत्तियाँ कहाँ लगा दूँ। तब दादाजी उस अधिकारी को अपने पूजन के स्थान के पास दो अगरबत्ती लगाने को कहते है। अगरबत्ती लगाने के पश्चात् दादाजी पूजन के स्थान के माध्यम से बड़े दादाजी से बात करते हैं और उस आदमी की समस्या का निवारण पूछते हैं। तब बड़े दादाजी उत्तर में कहते हैं आज के बाद इसे कोई परेशान नहीं करेगा। और वास्तव में उस दिन के बाद से उस बैंक कर्मी को कोईपरेशानी नहीं होती है । वह भी सभी को दादाजी की महिमा के बारे में बताने लगा । इस तरह अपनी परेशानी से निजात पाकर वह

अधिकारी भी दादाजी के लिये कुछ करने की सोचता है। वह अपने बैंक से लोन पर 5000/- रुपये लेता है और दादाजी की दुकान पर पहुँचता है। वह दादाजी से कहता है, ये लीजिये दादाजी, मैंने आपके नाम पर 5000/- रुपये का लोन लिया है। तब दादाजी उत्तर देते हैं- "यह पैसे मेरे किस काम के मुझे नहीं चाहिये । वह आदमी पुनः कहता है, "पैसे ले लीजिये। ये पैसे आपके नाम पर ही लोन से मिले हैं और इसके ब्याज की देता है तथा इस प्रकार का कपड़े की किस्त भी शुरु हो चुकी है।यह कहकर वह दादाजी को दादाजी उन पैसे से कपड़े की एक दुकान खोलते हैं । दुकान खोलने का सुझाव दादाजी सभी लोगों की समस्या का निवारण करने के लिये बड़े दादाजी से पूछते थे। परन्तु उन्होंने अपने पूरे जीवनकाल में सिर्फ एक बार ही अपने परिवार के सम्बन्ध में बड़े दादाजी से कुछ पूछा और वो समय था उनकी चौथी सन्तान के जन्म के सम्बन्ध में दादाजी के दो पुत्रियाँ (मंजू एवं संजू) तथा एक पुत्र (शिवरतन नामदेव) है और उनके दूसरे पुत्र का जन्म का समय नजदीक था। उनकी पत्नि के गर्भ धारण के नौ माह पूर्ण होने पर दादाजी और उनकी पत्नी एक डॉक्टर दम्पत्ति के (डॉ. आर.डी. नामदेव एवं डॉ. आशा नामदेव) के यहाँ गये, जो कि उनके अच्छे मित्र भी थे। डॉक्टर दादाजी से कहते हैं कि आधे घण्टे में बच्चा हो जायेगा। परन्तु उस दिन कुछ नहीं होता है दादाजी अपनी पत्नी के साथ घर वापस आ जाते हैं। समय बीतता जाता है उनकी पत्नी को गर्भ के ग्यारह माह पूर्ण हो जाते हैं। दादाजी पुनः डॉक्टर के पास जाते हैं। इतना समय बीत जाने के कारण डाक्टर आपरेशन की सलाह देते हैं । तब दादाजी डॉक्टर से कहते हैं, अभी तो पैसे की तंगी है।

ऑपरेशन के लिये पैसे कहाँ से आऐंगे।"

दादाजी गुस्से में डाक्टर साहब से यह कहकर आते हैं बच्चा आज ही पैदा होगा। डॉक्टर से इतना कहकर दादाजी अपने घर आ जाते हैं।घर आकर स्नान करके दादाजी पूजन के स्थान पर बैठते हैं और अपनी पत्नी को भी बैठाकर बड़े दादाजी से प्रार्थना करने को कहते हैं। इतने में बड़े दादाजी कहते हैं अब तुम बोल ही आये हो तो सुबह 5:10 बजे ही पैदा होगा। इसके बाद डॉ. साहब हँसते हुए दादाजी से कहते हैं बिना आपरेशन के कैसे होगा। बड़े दादाजी की कृपा से उनकी पत्नी बिना ऑपरेशन के सुबह 5:10 बजे पुत्र को जन्म देती हैं।

चुनौतियों में विकास दर

अमेरिका की टैरिफ चुनौतियों सहित अन्य वैश्विक आर्थिक मुश्किलों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था का क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन बेहतर करने हेतु उद्योग-कारोबार को आर्थिक-वित्तीय सहारा जरूरी है। इसी प्रकार विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र आकलन (एफएसए) रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत विकास की डगर पर आगे बढ़ रहा है। लेकिन अब भारत को 2047 तक 30000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए आर्थिक-वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को और तेजी देने की जरूरत है हाल ही में 28 नवंबर को सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में जुलाई-सितंबर की तिमाही में 8.2 प्रतिशत बढ़ी है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 5.6 प्रतिशत थी। खास बात यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने विकास दर के मामले में दुनिया की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ दिया है। स्थिति यह है कि चालू वित्त वर्ष में चुनौतियों के बावजूद जीडीपी की वृद्धि दर उम्मीद से अधिक रहने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की 8.2 प्रतिशत की विकास दर वृद्धि समर्थक नीतियों और सुधारों के प्रभाव को बताती है, वहीं वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार के द्वारा कारोबारी सुगमता और उत्पादकता बढ़ाने जैसे कदमों से जीडीपी बढ़ी है। गौरतलब है कि इन दिनों भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रही विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में महंगाई घटने और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर में कटौती से उपभोग और घरेलू खपत में जोरदार इजाफा होने से विकास दर बढ़ी है।

जहां भारत की अर्थव्यवस्था ट्रंप के टैरिफ का प्रतिकूल असर झेल गई, वहीं निर्यात, पूंजीगत निवेश और निवेश रुझान पर प्रतिकूल असर की चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ी है। साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं से निर्मित हो रही चुनौतियों से निपटने की स्थिति में है। निश्चित रूप से जब दुनिया के अधिकांश देशों में महंगाई तेजी से बढ़ रही है, वहीं भारत में महंगाई में तेज कमी भारत की एक बड़ी आर्थिक ताकत बन गई है। हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां अक्टूबर 2025 में खुदरा महंगाई घटकर पिछले 10 साल के न्यूनतम स्तर 0.25 प्रतिशत पर आ गई, वहीं थोक महंगाई 27 महीने के निचले स्तर शून्य से 1.21 प्रतिशत नीचे रही है। महंगाई में यह ऐतिहासिक कमी प्रमुखतया सब्जियां, फल, अंडे, फुटवियर, अनाज व उससे बने उत्पाद, बिजली, परिवहन और संचार आदि मदों की महंगाई में गिरावट के कारण हुई है। महंगाई में आई गिरावट के पीछे विगत 22 सितंबर से लागू वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार की भी अहम भूमिका है। जीएसटी दरों में की गई कमी से खाने-पीने की सभी वस्तुएं सस्ती हुई हैं। क्रिसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर 2025 में शाकाहारी थाली सालाना आधार पर 17 फीसदी सस्ती होकर 27.8 रुपए और मांसाहारी थाली 12 फीसदी सस्ती होकर 54.4 रुपए के मूल्य स्तर पर पाई गई। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इस समय विभिन्न शोध रिपोर्टों में यह भी कहा जा रहा है कि खाद्यान्न के रिकॉर्ड उत्पादन और अच्छे मानसून के बाद कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों को मिली अनुकूलताओं के कारण आगामी महीनों में भी महंगाई में और कमी आने की उम्मीद है। अनुमान है कि इस वित्त वर्ष 2025-26 में औसतन खुदरा महंगाई दर 2.5 प्रतिशत रह सकती है, जो पिछले वर्ष के 4.6 प्रतिशत के मुकाबले काफी कम होगी। निःसंदेह भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती के मद्देनजर महंगाई घटने और जीएसटी सुधार के साथ-साथ कुछ और आर्थिक अनुकूलताएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत ने रूस और चीन के साथ आर्थिक-वैश्विक कूटनीति और नए निर्यात बाजारों में आगे बढ़ने की जो रणनीति अपनाई, वह कारगर दिखाई दे रही है।

इस नीति से ट्रंप के टैरिफ के बीच पिछले अगस्त से अक्टूबर माह में अमेरिका को छोड़कर अन्य देशों में भारत के निर्यात बढ़े हैं। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि वैश्विक चुनौतियों के बीच रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने शिखर वार्ता के लिए भारत आना सुनिश्चित किया है। इस मौके पर भारत व रूस के बीच कारोबार सहित कई समझौते हुए। इन सबके साथ-साथ विभिन्न देशों के साथ तेजी से आकार लेते हुए दिखाई दे रहे भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भारत के निर्यात के मद्देनजर मील का पत्थर बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं 21 नवंबर से देश में लागू नए श्रम कानून देश के आर्थिक विकास में नई प्रभावी भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि सरकार के बड़े फैसले जैसे कि पहला टैक्स में कटौती और दूसरा मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित बढ़ोतरी को बढ़ावा मिलेगा। यह आर्थिकी को तेजी से बढ़ाएगी। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने कहा कि जीएसटी की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी। इन बदलावों से चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का एक बड़ा चालक बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा है कि यद्यपि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और व्यापार तनाव के बीच वैश्विक वृद्धि दर धीमी है, लेकिन इसके बावजूद भारत मजबूत घरेलू खपत के दम पर 6.6 फीसदी विकास दर प्राप्त करते हुए दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक विकास दर की संभावनाएं रखता है। साथ ही भारत की विकास दर चीन से भी अधिक अनुमानित है। नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनैंस ऐंड पॉलिसी (एनआईपीएफपी) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की मध्यवर्ती आर्थिक समीक्षा में कहा कि जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाए जाने और महंगाई में कमी का लाभ भारत की अर्थव्यवस्था को मिला है। लेकिन अमेरिका की टैरिफ चुनौतियों सहित अन्य वैश्विक आर्थिक मुश्किलों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था का क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन बेहतर करने हेतु उद्योग-कारोबार को आर्थिक-वित्तीय सहारा जरूरी है। इसी प्रकार विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र आकलन (एफएसए) रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत विकास की डगर पर आगे बढ़ रहा है।

देश की राजधानी बुरे सपने से कम नहीं

दिल्ली में हवा और पानी दोनों ही गंभीर रूप से प्रदूषित हो रहे हैं। वायु प्रदूषण के साथ-साथ जल प्रदूषण भी लोगों के लिए बड़ी समस्या बन रहा है। दिल्ली में हर साल सर्दियों में वायु प्रदूषण बढ़ जाता है और यमुना में झाग भी बनने लगते हैं

देश में वोट बैंक की राजनीति के समक्ष पर्यावरण प्रदूषण जैसे मुद्दे हाशिए पर धकेले जाते रहे हैं। राजनीतिक दल इसे समस्या तो मानते हैं, किन्तु इसके स्थायी निदान के लिए न तो कोई कार्ययोजना है और न ही इच्छाशक्ति। देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र भीषण प्रदूषण की मार झेल रहा है। यही वजह है कि प्रदूषण की भयावहता तमाम क्षेत्रों में तरक्की को मुंह चिढ़ा रही है। सरकारों और राजनीतिक दलों की बला से प्रदूषण प्रभावित इन क्षेत्रों के करोड़ों लोगों बेशक तिल-तिल करके मरते रहें। इसके विपरीत नेताओं का सरोकार सिर्फ चुनाव जीतने भर तक सीमित रह गया है। सत्तारूढ़ और विपक्षी दल इस मुद्दे पर चिंता जताने तक सीमित हैं। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत में विपक्ष के कुछ सांसदों ने अपने चेहरों पर मॉस्क लगाया और प्रदूषण के खिलाफ नारे लिखे तख्तियां और बैनर लेकर प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों का नेतृत्व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने किया। एक बैनर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर थी जिस पर लिखा था 'मौसम का मजा लीजिए'। सरकारी नजरिए से देखें तो राजधानी दिल्ली और आस-पास के क्षेत्रों में प्रदूषण लाइलाज समस्या बन चुका है। हर साल सर्दी का मौसम आते ही दिल्ली का इलाका गैस चैंबर बन जाता है। इस बात से सत्तारूढ़ और विपक्षी दल अनजान नहीं हैं। इसके बावजूद कोरी बयानबाजी के अलावा लोगों को उनके हाल पर छोड़ रखा है। दिल्ली का औसत एक्यूआई लेवल 377 तक दर्ज हो चुका है। ऐसे में लोगों को सांस लेने में दिक्कत और आंखों में जलन की समस्या देखने को मिल रही है। आनंद विहार, बवाना, चांदनी चौक, जहांगीर पुरी, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम और नेहरू नगर में एक्यूआई लेवल 400 के पार तक पहुंच गया। ल्ली की हवा में घुला जहर कम कब होगा, इस सवाल का जवाब इस समय शायद किसी के पास नहीं है। शायद इसीलिए डॉक्टरों ने साफ कह दिया है कि बच्चों की सेहत ठीक रखना चाहते हैं, तो कुछ दिनों के लिए दिल्ली छोड़ दीजिए। दिल्ली में एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट के लिए डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (डीएसएस) के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में प्रदूषण के बड़े कारण ट्रांसपोर्ट, पराली हैं। गाडिय़ों से फैले प्रदूषण का हिस्सा 18.42 फीसदी था। आंकड़ों के हिसाब से 16.31 फीसदी प्रदूषण के अन्य सोर्स हैं, जिसमें आतिशबाजी, डीजल जनरेटर जैसे सोर्स शामिल हैं। शादियों के सीजन की वजह से आतिशबाजी हो भी रही है। अगले तीन दिन इन अन्य सोर्स का प्रदूषण का हिस्सा और बढक़र 43.4 फीसदी तक जाने का अनुमान है। दिल्ली में एक्यूआई 400 तक के खतरनाक स्तर को छू चुका है, जो वायु प्रदूषण की गंभीर हालत दिखाता है। वहीं मुंबई में भी ये 200 के करीब पहुंच गया था, जिसके बाद वहां ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप-4) लागू किया गया। हालांकि दिल्ली में अभी ग्रैप-4 लागू नहीं किया गया। उल्टे दिल्ली एनसीआर में 26 नवंबर को ग्रैप-3 की पाबंदियां भी वापस ले ली गई थीं। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने शहर में निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी थी। देवनार, मलाड, बोरीवली, अंधेरी ईस्ट, नेवी नगर, पवई और मुलुंड जैसे इलाकों में प्रदूषण की खराब स्थिति के बाद ये फैसला लिया गया था। दिल्ली में प्रदूषण के लिए पराली जलने, वाहनों के धुएं और कारखानों से निकलने वाला कार्बन उत्सर्जन जिम्मेदार है। हवाओं की रफ्तार धीमी पडऩे से हालात और खराब हो जाते हैं। हालांकि मुंबई और अन्य समुद्री इलाकों में प्रदूषण की स्थिति बेहतर रहती है, क्योंकि वहां हवा चलने के कारण प्रदूषणकारी तत्व

शहर से दूर चले जाते हैं। मुंबई में मेट्रो, फ्लाईओवर जैसे बड़े निर्माण कार्य, वाहनों की बढ़ती तादाद और कचरा जलाने जैसी वजहों से हालत बिगड़ी है। मुंबई जैसे समुद्री इलाकों में एक्यूआई बढऩा खतरे की घंटी है। मुंबई में ग्रैप-4 की पाबंदियों के बाद एक्यूआई 150 से नीचे आ गया, जबकि दिल्ली की हवा में अब भी दम घुट रहा है। मुंबई की हवा अब सांस लेने लायक हो गई है। यहां कई जगह एक्यूआई लेवल 100 के आसपास हो गई। हालांकि, दिल्ली में एक्यूआई लेवल अब भी कई जगह 400 के पार है। हवा की गति बढऩे और पानी छिडक़ाव जैसे उपायों से मुंबई में हवा की गति बढऩे और पानी छिडक़ाव जैसे उपायों से मुंबई में एक्यूआई स्तर 150 से नीचे आने में मदद मिली। दुनिया भर में वायु प्रदूषण को मापने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था आईक्यूएआईआर की नवीनतम लाइव रैंकिंग में भारत की राजधानी दिल्ली इस सूची में पहले स्थान पर रही। जबकि दूसरे स्थान पर उज़्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद 251 के एक्यूआई के साथ दर्ज है। तीसरे नंबर पर पाकिस्तान का लाहौर (एक्यूआई 215), चौथे पायदान पर बांग्लादेश की राजधानी ढाका 211 एक्यूआई के साथ है। भारत का कोलकाता भी 211 के एक्यूआई के साथ पांचवें स्थान पर है। देश की राजधानी दिल्ली में एयर इमरजेंसी है। राजधानी दिल्ली गैस चैंबर बन गई है। राजधानी दिल्ली हांफ रही है, खांस रही है। दिल्ली की हवा जहरीली हो गई है। दिल्ली में हर व्यक्ति हर पल अपने फेफड़ों में जहर भर रहा है। दिल्ली को डिटॉक्स करने की जरूरत है। दिल्ली-एनसीआर इलाके की इन दिनों जैसे बस यही पहचान बन गई है। देश ही नहीं दुनिया भर के अखबारों-समाचार चैनलों, वेबसाइट्स में दिल्ली की हवा सुर्खियों में है। दिल्ली एनसीआर में इस समय धुंध नहीं बल्कि हवा में मौजूद धूल के कारण है, वो धूल जो कभी कंस्ट्रक्शन की वजह से कभी पोल्यूशन की वजह से कभी पराली की वजह से घटना हो रही है। ये लटके हुए कण जो धूल के हैं ये पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कण इसमें शामिल हैं। इसका मतलब यह है कि एक दिन की दिल्ली की हवा में सांस लेना करीब 50 सिगरेट के पीने के बराबर है। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि दिल्ली की हवा का क्या हाल है। रोज पीने उपयोग करने वाला भूजल भी अब दिल्ली में सुरक्षित नहीं बचा है। केंद्रीय भूमिजल बोर्ड की नई रिपोर्ट बताती है कि इस पानी में यूरेनियम जैसे खतरनाक तत्वों के साथ नाइट्रेट, फ्लोराइड, लेड और ज्यादा नमक तक मिला हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया कि राजधानी के कई हिस्सों से लिए गए भूजल के नमूनों में यूरेनियम की मात्रा सामान्य सीमा से कहीं अधिक पाई गई। यूरेनियम धीरे-धीरे शरीर में जमा होता है और गुर्दों, हड्डियों और अन्य अंगों को नुकसान पहुंचा सकता है।

रिपोर्ट में साफ हुआ कि पानी में नाइट्रेट, फ्लोराइड, लेड और ज्यादा नमक भी पाया गया है। नाइट्रेट ज्यादातर गंदे पानी और खाद से जमीन में रिसकर आता है। फ्लोराइड बढऩे से दांत और हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। लेड शरीर के दिमागी विकास पर भारी असर डालता है और बच्चों व गर्भवती महिलाओं के लिए बेहद खतरनाक है। नमक और घुले पदार्थ ज्यादा होने से पानी पीने लायक नहीं रह जाता और पाचन व गुर्दों पर दबाव पड़ता है। दिल्ली में लगातार ज्यादा गहराई तक बोरिंग होने लगी है, जिससे ऐसे हिस्सों का पानी ऊपर आ रहा है जहां मिट्टी में खुद ही खनिज और भारी तत्व मौजूद रहते हैं। दूसरी ओर, सीवर रिसाव, गंदे पानी का जमीन में घुसना और रासायनिक कचरे का सही निस्तारण न होना भी भूजल को जहरीला बना रहा है। जमीन रिचार्ज होने की जगह घट गई है और पानी अपना प्राकृतिक संतुलन खो रहा है। दिल्ली में हवा और पानी दोनों ही गंभीर रूप से प्रदूषित हो रहे हैं। वायु प्रदूषण के साथ-साथ जल प्रदूषण भी लोगों के लिए बड़ी समस्या बन रहा है। दिल्ली में हर साल सर्दियों में वायु प्रदूषण बढ़ जाता है और यमुना में झाग भी बनने लगते हैं। कालिंदी कुंज इलाके में यमुना नदी में सफेद झाग दिखाई दिए। विशेषज्ञों का कहना है कि यह झाग पानी में मौजूद फॉस्फेट, डिटर्जेंट और औद्योगिक अपशिष्टों के कारण बनता है।

-योगेंद्र योगी, स्वतंत्र लेखक

चीन ने अपने हल्के टैंक को किया अपग्रेड...

चीन ने अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लड़ाई में सक्षम अपने हल्के लड़ाकू टैंक 'टाइप 99बी' को उन्नत सूचना-आधारित कमान, संचार क्षमताओं और एकीकृत मारक क्षमता से लैस किया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। टाइप 99 या ZTZ-99 चीन का तीसरी पीढ़ी का मुख्य युद्धक टैंक है। इसे टैंक पुराने टाइप 88 की जगह लेने के लिए बनाया गया है। टाइप 99 MBT चीन का पहला बड़े पैमाने पर उत्पादित तीसरी पीढ़ी का मुख्य युद्धक टैंक है। टाइप 99 सोवियत टी-72 चेसिस पर आधारित है। वर्तमान में इसके कई वेरिएंट चीनी सेना में शामिल हैं। हांगकांग स्थित अखबार 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने आधिकारिक मीडिया की खबरों के हवाले से प्रकाशित रिपोर्ट में कहा है कि लड़ाकू टैंक को उन्नत क्षमताओं से लैस किए जाने की खबरें भारत द्वारा उच्च ऊंचाई वाले इलाकों में, खास तौर पर चीन के साथ लगी सीमा पर, युद्ध के लिए स्वदेशी रूप से विकसित हल्के टैंक जोरावर के अनावरण

की पृष्ठभूमि में आई हैं। टाइप 99 बी टैंक को चीनी विजय दिवस परेड में आधिकारिक तौर पर पहली बार दुनिया के सामने पेश किया गया। हालांकि, इससे पहले 2024 में दो GL-6 APS लॉन्चर और चार रडार से लैस टाइप 99B प्रोटोटाइप चीन में देखा गया था। नए अपग्रेडेशन में एक अपग्रेडेड ब्लास्ट रिएक्टिव आर्मर मॉड्यूल, अडवांस इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और अन्य फाइटिंग व्हीकल्स के साथ सूचना शेयर करने के लिए सिस्टम, चालक दल के लिए 360 डिग्री विजन सिस्टम, नेक्स्ट जेनरेशन की थर्मल ऑप्टिक्स के साथ नया फायर कंट्रोल सिस्टम और युद्धक्षेत्र के हालात की जानकारी के लिए नए फोटोइलेक्ट्रिक और सेंसर सिस्टम शामिल है। जोरावर टैंक का नामकरण डोगरा योद्धा जनरल जोरावर सिंह के नाम पर किया गया है। इसका वजन लगभग 25 टन है। चीन ने 2017 में अपने हल्के टैंक के निर्माण की घोषणा की थी और इस साल सितंबर में बीजिंग में आयोजित सैन्य परेड में इसे प्रदर्शित किया था। सरकारी मीडिया की खबर के मुताबिक, उन्नत संस्करण को उच्च ऊंचाई वाले इलाकों और ठंडे मौसम में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार किया गया है। खबर में कहा गया है कि चीनी टैंक का वजन लगभग 55 टन है, जो भारत के जोरावर टैंक से अधिक है। 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' की खबर के अनुसार, चीन का 'टाइप 99' तीसरी पीढ़ी का मुख्य लड़ाकू टैंक है, जिसे अत्याधुनिक पश्चिमी टैंक से मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया गया है।

इंडिगो' का बंधक देश...

कैसा देश है यह? इसकी सरकार और व्यवस्था कैसी है? क्या एक विमानन कंपनी की मनमर्जी के सामने सरकार घुटने टेक सकती है और आम यात्री बंधक बनाया जा सकता है? विमानन कंपनी 'इंडिगो' की 800 से ज्यादा उड़ानें शनिवार को भी रद्द की गईं। प्रधानमंत्री दफ्तर ने कंपनी के सीईओ से बात की और चेतावनी दी। नागरिक विमानन मंत्रालय ने 'इंडिगो' के आला अधिकारियों के साथ बैठक की और नोटिस जारी किया कि रविवार, 7 दिसंबर, की रात 8 बजे तक प्रभावित यात्रियों को उनका किराया रिफंड सुनिश्चित किया जाए। हम देखेंगे कि इस अल्टीमेटम का क्या असर हुआ? संसदीय समिति भी गुस्से में थी। उसने मंत्रालय, डीजीसीए और 'इंडिगो' के अधिकारियों को तलब किया। क्या हुआ? ये तमाम सक्रियताएं तब सामने आईं, जब बीते 4 दिनों में 'इंडिगो' ने 2694 फ्लाइट रद्द की थीं, नतीजतन 4 लाख 83,600 से अधिक यात्री बेहाल, परेशान और हलकान हुए थे। यह कैसा तमाशा था? कोई हवाई अड्डे पर ही पसर गया, किसी को खाने-पीने का सामान नहीं मिला, किसी का सामान कहीं का कहीं चला गया। घोर अनिश्चितता, अराजकता! फिर भी 'इंडिगो' को दंडित नहीं किया गया। आखिर क्यों? सरकार बेबस क्यों दिख रही है? लोकतंत्र में सरकार ही जवाबदेह है, क्योंकि देश ने उसे चुना है। 'इंडिगो' पर कम से कम 500 करोड़ रुपए का जुर्माना थोपना चाहिए था और वह राशि प्रभावित यात्रियों के खातों में जमा कराई जानी चाहिए थी। विमानन कंपनियां देश में मुनाफाखोरी के लिए ही नहीं हैं। वे हवाई सेवा प्रदान करने के लिए हैं और सरकार ने उन सेवाओं के किराए तय कर रखे हैं। यह कौन-सी कालाबाजारी है कि 'इंडिगो' की उड़ानें रद्द हुईं और अन्य एयरलाइंस ने कई गुना किराए बढ़ा दिए? कोई सरकार, मंत्रालय, अंकुश, कायदे-कानून इस देश में हैं अथवा नहीं? 'इंडिगो' ने 2024-25 में 7258 करोड़ रुपए का मुनाफा

कमाया है, तो इस देश के यात्रियों से ही कमाया है। फिर वही विमानन एयरलाइन देश के यात्रियों को ही 'बंधक' कैसे बना सकती है? ऐसी कंपनी को 'अभयदान' क्यों दिया जा रहा है? सरकार किससे डर रही है? जांच पर भरोसा कैसे किया जा सकता है? किसी के घर में शादी थी, किसी को इंटरव्यू देने जाना था, किसी की बिजनेस बैठक थी, किसी को वीजा लेने जाना था और किसी के घर में बूढ़े मां-बाप बीमार थे अथवा मातम पसर गया था, 'इंडिगो' की मनमर्जी ने सब कुछ खत्म कर दिया।

सब कुछ बिखर गया। पैसा बर्बाद, लगातार आंसू, रुदन, आम यात्री और क्या कर सकता है? क्या एक एयरलाइन को इस हद तक 'खलनायक' बनने की छूट दी जा सकती है? विमानन के क्षेत्र में 'इंडिगो' की हिस्सेदारी 62 फीसदी से भी अधिक क्यों होने दी गई? सरकारी पार्टी को करोड़ों रुपए का चुनावी चंदा और बाजार पर एकाधिकार का लाइसेंस! क्या देश में एयरलाइंस ऐसे ही काम करती रहेंगी? क्या यात्रियों को उड़ान भरने के सपने बेच कर और फिर बंधक बना कर देश 'विकसित' बन सकता है? ट्रिलियन डॉलर के मामले में भारत विकसित देश, बेशक, बन सकता है, लेकिन मानसिक, सामाजिक, सुविधा और पेशेवर दृष्टि से भारत 'अविकसित' देश ही रहेगा। चीन और अमरीका के उदाहरण सभी के सामने हैं। चीन की शीर्ष तीन विमानन कंपनियों की कुल हिस्सेदारी 60 फीसदी से कम है। अमरीका में शीर्ष 4 कंपनियों की हिस्सेदारी करीब 75 फीसदी है। किसी अकेली कंपनी की हिस्सेदारी 25 फीसदी को नहीं लांघती। विमानन की दृष्टि से ये देश, भारत की अपेक्षा, अधिक विकसित हैं। उनकी उड़ानों की संख्या भी अधिक है। 'इंडिगो' के सीईओ अब भी कह रहे हैं कि सामान्य उड़ानों के लिए कमोबेश 10 दिन चाहिए, लेकिन सरकार तुरंत सामान्य हालात का दबाव दे रहे हैं। दरअसल बुनियादी कारण पायलटों की भर्ती और अन्य नियम हैं, जो डीजीसीए ने जारी किए थे और 'इंडिगो' को पर्याप्त समय दिया गया था, लेकिन 'इंडिगो' ने नियम स्वीकार नहीं किए। डीजीसीए को अपना आदेश वापस लेना पड़ा। देश जानना चाहता है कि ऐसा क्यों किया गया? इसी सवाल में 'इंडिगो' की मनमर्जी छिपी है। दरअसल 'इंडिगो' का एकाधिकार तोडऩा चाहिए। यह विकसित देश की निशानी नहीं है। भारत को अमरीका और चीन से सीख लेते हुए इस कंपनी का एकाधिकार खत्म करना चाहिए और जिन यात्रियों को तकलीफ हुई है, उन्हें पर्याप्त मुआवजा दिलाना चाहिए। इस कंपनी पर आर्थिक दंड भी लगाया जा सकता है, क्योंकि यह कंपनी भारतीय यात्रियों से ही बड़ी कमाई करती है। इस मामले में सरकार को ठोस कार्रवाई करनी चाहिए।

धरती की ओर आ रहा रहस्यमय धूमकेतु 3I/ATLAS, नासा के साथ संयुक्त राष्ट्र ने क्यों गड़ाई नजर

एजेंसी वॉशिंगटन

दिसंबर महीने में अंतरिक्ष से एक खतरा तेजी से पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। इस खतरे का नाम धूमकेतु 3I/ATLAS है। यह 19 दिसंबर को पृथ्वी के सबसे करीब पहुंचेगा। धूमकेतु 3I/ATLAS से खतरे का अंदेशा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस पर न सिर्फ दुनियाभर की अलग-अलग अंतरिक्ष एजेंसियां बल्कि संयुक्त राष्ट्र भी नजर रख रहा है। यह धूमकेतु हमारे ग्रह से लगभग 167 मिलियन मील (270 मिलियन किलोमीटर) की दूरी पर आएगा। उसे दुनिया भर की टेलीस्कोप से ट्रैक किया जाएगा ताकि खगोलविद इसकी लोकेशन का पता लगा सकें और भविष्य में इसके जैसे ऑब्जेक्ट्स के बारे में भविष्यवाणी कर सकें।

लाइव साइंस की रिपोर्ट के अनुसार, UN के इंटरनेशनल एस्टेरॉयड वार्निंग नेटवर्क (IAWN) ने 3I/ATLAS ऑब्जर्विंग कैंपेन का लगभग आधा काम पूरा कर लिया है और अगले साल एक पीयर-रिव्यूड जर्नल में अपने नतीजे पब्लिश करने की उम्मीद है। IAWN में स्मॉल-बॉडीज नोड के प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर और यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड के एस्ट्रोनॉमी डिपार्टमेंट में रिसर्च प्रोफेसर जेम्स बाउर ने लाइव साइंस को बताया कि इस नेटवर्क में दुनिया भर की 80 से ज्यादा ऑब्जर्वेटरी और सिटिजन साइंटिस्ट शामिल हैं जो धूमकेतु और एस्टेरॉयड जैसे पृथ्वी के पास के ऑब्जेक्ट्स पर एक्टिव रिसर्च कर रहे हैं।

बाउर ने बताया कि NASA IAWN और नेटवर्क के ऑब्जर्विंग कैंपेन को कोऑर्डिनेट करता है, और 3I/ATLAS 2017 में कैंपेन शुरू होने के बाद ट्रैक किया जाने वाला पहला इंटरस्टेलर ऑब्जेक्ट है। बाउर ने IAWN के काम के बारे में कहा, "इन कैंपेन के पीछे का मकसद असल में एस्टेरॉयड और धूमकेतु के लिए आसमान में पोजीशन मापने की टेक्निकल क्षमताओं को मज़बूत करना है, जिसे हम एस्ट्रोमेट्री कहते हैं।" इन्वेस्टिगेटर 3I/ATLAS के रास्ते को ट्रैक करने के लिए एक नई एस्ट्रोमेट्री तकनीक का टेस्ट करेंगे, जो भविष्य में इसी तरह के धूमकेतु पर स्पेसक्राफ्ट भेजने का तरीका तय करने में मददगार हो सकती है।

बाउर ने बताया कि धूमकेतु की स्थिति को सही-सही मापने में चुनौतियां हैं, जैसे कि बदलती चमक और उसके कोमा में बदलाव, गैस और धूल का बादल जो धूमकेतु के न्यूक्लियस और पूंछ के चारों ओर फैलता है जब वह सूरज के करीब आता है और गर्म होता है। ये विशेषताएं धूमकेतु के स्पष्ट आकार को बढ़ा सकती हैं और उसके स्थान का पता लगाना मुश्किल बना सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा, खुशकिस्मती से, हालांकि 3I/ATLAS सौर मंडल के बाहर से आया है, यह इतना क्लासिक धूमकेतु जैसा व्यवहार दिखा रहा है कि यह लगभग एक "धूमकेतु का धूमकेतु" है।

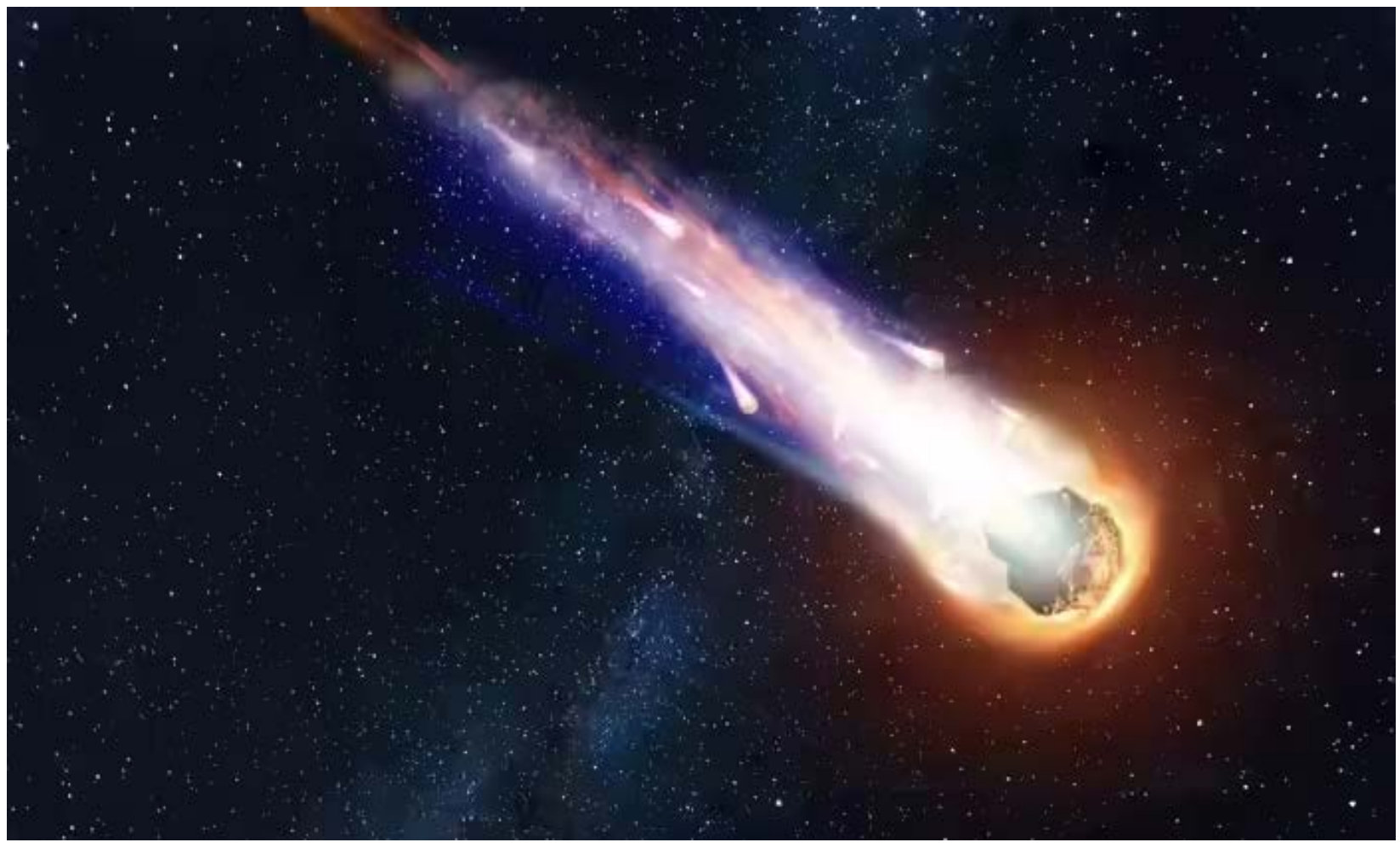

बांग्लादेश में गोलीबारी में किसे लगी गोली कि भारत पर बिफरी यूनुस सरकार, उच्चायुक्त को तलब कर हमलावरों को सौंपने को कहा

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश में आम चुनावों की घोषणा के एक दिन बाद शुक्रवार को ढाका में जबरदस्त गोलीबारी हुई। तीन मोटरसाइकिलों पर सवार हमलावरों ने ढाका में दिन दहाड़े गोलियां चलाईं और मौके से भाग गए। इस गोलीबारी का निशाना भारत विरोधी कट्टरपंथी नेता शरीफ उस्मान हादी थे। शरीफ उस्मान हादी, शेख हसीना विरोधी इंकलाब मंच के प्रवक्ता और ढाका-8 संसदीय क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार थे। इस हमले में हादी को सिर में गोली लगी है। डॉक्टरों के मुताबिक वह कोमा में हैं। उन्हें सोमवार को एयर एंबुलेंस से सिंगापुर ले जाया गया है। हालांकि, उनकी स्थिति को लेकर कोई नई जानकारी साझा नहीं की गई है।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले के दो दिन बाद रविवार को मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाले बांग्लादेश की सरकार ने भारत से हमलावरों को गिरफ्तार कर सौंपने का अनुरोध किया है। हालांकि, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा है कि उनके पास इस बात के कोई सबूत नहीं है कि हमलावर भारत में घुस गए हैं।

ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (DMP) ने रविवार को कहा कि "इस बात का कोई पुख्ता सबूत नहीं है कि हमलावर... भारत में घुस गए हैं।" DMP के डिप्टी कमिश्नर मुहम्मद तालेबुर रहमान ने कहा कि डिटेक्टिव ब्रांच सहित कई टीमें कई सुरागों पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, "इस स्तर पर, हमारे पास कोई पुख्ता जानकारी नहीं है जो यह बताए कि कोई संदिग्ध देश छोड़कर गया है।"

कतर में रहने वाले एक पत्रकार जुल्करनैन सायर ने फेसबुक पर दावा किया है कि दो कथित संदिग्ध 12 दिसंबर को भारत में घुस गए थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि ये दोनों फिलहाल असम की राजधानी गुवाहाटी में हैं। सायर ने 15 दिसंबर को फेसबुक पोस्ट में लिखा, "इंकलाब मंच के ऑर्गनाइजर उस्मान हादी पर गोली चलाने की कोशिश में शामिल शूटर पूर्व छात्र लीग नेता फैसल करीम मसूद है, जिसे दाऊद खान के नाम से भी जाना जाता है। अपने साथी, मोटरसाइकिल सवार आलमगीर हुसैन के साथ, उसने 12 दिसंबर को मैमनसिंह में हलुआघाट सीमा पार की और भारत में घुस गया।"

उन्होंने आगे लिखा, " एक खास खुफिया सूत्र के मुताबिक, भारत में घुसने के बाद, जहांगीर कबीर नानक के पीएस, मोहम्मद मसूदुर रहमान बिप्लब ने फैसल करीम मसूद को यह भारतीय फोन नंबर दिया: +91 *00*39*0। इस नंबर का इस्तेमाल करके, फैसल करीम मसूद, उर्फ दाऊद खान ने कल रात कई फोन नंबरों पर सेल्फी भेजीं। उनमें से एक नंबर ने इमेज को इंटरसेप्ट किया, जिससे यह फोटो मिली। यह कन्फर्म हो गया है कि यह फोटो कल भारत के असम के गुवाहाटी में ली गई थी।"

रिपोर्ट में लिखा गया है, "जब फोन नंबर को Truecaller पर सर्च किया गया, तो कॉलर आईडी ट्रैकिंग एप्लीकेशन ने बांग्ला में एक यूज़र-सजेस्टेड नाम दिखाया, जिसका मतलब है, "इस आतंकवादी का बेटा हादी का हत्यारा है"। छात्र लीग हसीना की अवामी लीग का स्टूडेंट विंग है, जिसे यूनुस प्रशासन ने आतंकवाद विरोधी कानून के तहत बैन कर दिया था। बांग्लादेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति अस्थिर बनी हुई है, जिसमें राजनीतिक हत्याएं और यूनुस के ग्रामीण बैंक जैसे प्रमुख संस्थानों पर हमले हो रहे हैं। यहां तक कि BNP के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान, जिनकी मां और पूर्व पीएम खालिदा जिया जिंदगी के लिए लड़ रही हैं, "अलग कारणों" से निर्वासन से वापस नहीं लौट पा रहे हैं।"

द डेली सन की रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार सुबह, यूनुस प्रशासन के विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को बुलाया और नई दिल्ली से आग्रह किया कि अगर शरीफ उस्मान हादी पर हमले में शामिल हमलावर भारतीय क्षेत्र में घुस गए हैं, तो उन्हें गिरफ्तार करके सौंप दिया जाए। मीटिंग के दौरान, बांग्लादेश ने अंतरिम प्रशासन की चिंताओं से भी अवगत कराया, जिसे उसने अपदस्थ पीएम शेख हसीना के लगातार भड़काऊ बयानों के रूप में बताया, जो फिलहाल भारत में "खुशी-खुशी" रह रही हैं। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा, "विदेश मंत्रालय ने आज भारतीय हाई कमिश्नर को बुलाकर बांग्लादेश सरकार की तरफ से भारत सरकार को अपनी गंभीर चिंता बताई कि भगोड़ी शेख हसीना को बांग्लादेश में आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के लिए अपने समर्थकों को भड़काने वाले बयान देने की इजाजत दी जा रही है, जिसका मकसद आने वाले संसदीय चुनावों को रोकना है।"

भारत ने बांग्लादेश के इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि भारत ने कभी भी अपनी जमीन का इस्तेमाल बांग्लादेश के दोस्ताना लोगों के हितों के खिलाफ गतिविधियों के लिए नहीं होने दिया है। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि उसे उम्मीद है कि "बांग्लादेश की अंतरिम सरकार आंतरिक कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सभी ज़रूरी कदम उठाएगी, जिसमें शांतिपूर्ण चुनाव कराना भी शामिल है।"

पाकिस्तान ने अरब सागर में फिर दागी नई मिसाइल, सतह से हवा में मार कर सकती है FM-90(N) ER

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तानी नौसेना ने सोमवार को उत्तरी अरब सागर में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का लाइव फायर टेस्ट किया है। इस टेस्ट के बाद पाकिस्तानी नौसेना ने देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा करने के संकल्प को दोहराया है। पाकिस्तानी नौसेना ने जिस मिसाइल का परीक्षण किया, उसका नाम FM-90(N) ER है। FM-90(N) ER मिसाइल एक मीडियम-रेंज नेवल एयर-डिफेंस सिस्टम का हिस्सा है, जिसे हवाई खतरों को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है।

पाकिस्तान ने यह परीक्षण मई में भारत के साथ हुई झड़प के बाद किया है। इस दौरान परमाणु हथियारों से लैस दोनों देशों ने एक दूसरे पर मिसाइलों और तोप से भारी गोलीबारी की थी। इस दौरान बड़ी संख्या में लड़ाकू विमानों और ड्रोन का भी इस्तेमाल किया गया था। हालांकि चार दिन का यह टकराव नौसैनिक झड़प में नहीं बदला, लेकिन पाकिस्तान नौसेना तब तक हाई अलर्ट पर रही जब तक दोनों देशों में युद्धविराम नहीं हो गया।

पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (ISPR) ने एक बयान में कहा, "पाकिस्तान नौसेना ने उत्तरी अरब सागर में FM-90(N) ER सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफलतापूर्वक लाइव वेपन फायरिंग (LWF) किया।" इसमें आगे कहा गया, "फायरपावर प्रदर्शन के दौरान, पाकिस्तान नौसेना के एक जहाज ने अत्यधिक पैंतरेबाज़ी करने वाले हवाई लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से निशाना बनाया, जिससे नौसेना की युद्ध क्षमता और युद्ध की तैयारी की पुष्टि हुई।" "कमांडर पाकिस्तान फ्लीट ने पाकिस्तान नौसेना फ्लीट यूनिट में सवार होकर समुद्र में लाइव फायरिंग देखी।"

पाकिस्तान 100% आतंकवादी देश, बॉन्डी बीच हमले पर भड़का यह कट्टर मुस्लिम विरोधी यूरोपीय नेता

एजेंसी एम्सटर्डम

नीदरलैंड के धुर दक्षिणपंथी नेता और सांसद गीर्ट वाइल्डर्स ने ऑस्ट्रेलिया में हुए आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान पर निशाना साधा है। उन्होंने बॉन्डी बीच हमले में शामिल आतंकवादियों की नागरिकता का हवाला देते हुए पाकिस्तान को 100% आतंकवादी देश करार दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक खतरनाक शरिया वाला घटिया देश है। उन्होंने दुनिया को खूंखार अल कायदा आतंकी ओसामा बिन लादेन के भी पाकिस्तान में छिपे रहने की घटना भी याद दिलाई। उन्होंने X पर लिखा, पाकिस्तान 100% आतंकवादी देश है। एक खतरनाक शरिया वाला घटिया देश। ओसामा बिन लादेन कई सालों तक वहीं रहा था। #बॉन्डीबीच के आतंकवादी पाकिस्तान के हैं। मुझे पाकिस्तानी मुल्लाओं से मुझे जान से मारने के कई फतवे मिले हैं। हम सभी को #पाकिस्तान का बहिष्कार और उसे अलग-थलग कर देना चाहिए!"

सिडनी के बॉन्डी बीच पर रविवार को हुई गोलीबारी में मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। पुलिस के अनुसार, इस हमले को अंजाम देने वाले पिता और बेटे थे। न्यू साउथ वेल्स राज्य की पुलिस ने बताया कि गोलीबारी के बाद अब तक 16 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। पुलिस के बयान के अनुसार, 14 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो लोगों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों की उम्र 10 साल से लेकर 87 साल तक है। इनमें हमलावरों में से एक भी शामिल है। सोमवार सुबह तक करीब 40 घायल लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा था। इनमें से पांच की हालत बेहद गंभीर बताई गई है। न्यू साउथ वेल्स पुलिस के आयुक्त मैल लैन्यन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दोनों संदिग्ध हमलावरों में एक 50 साल का व्यक्ति और उसका 24 साल का बेटा था। बॉण्डी में यह नरसंहार पिछले एक साल में देश में लगातार हुईं यहूदी-विरोधी घटनाओं के बाद हुआ है। हमलावरों की पहचान पिता-पुत्र साजिद अकरम और नवीन अकरम के रूप में हुई है। पुलिस की गोलीबारी में पिता की मौत हो गई, जबकि पुत्र घायल हुआ है और उसका अस्पताल में इलाज जारी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व के उन नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने इस हमले की निंदा की है। प्रधानमंत्री मोदी ने X पर रविवार को लिखा,"ऑस्ट्रेलिया के बॉण्डी बीच पर हनुक्का के पहले दिन जश्न मना रहे लोगों को निशाना बनाकर किए गए इस भीषण आतंकवादी हमले की मैं कड़े शब्दों में निंदा करता हूं।" उन्होंने कहा, "मैं भारत के लोगों की ओर से उन परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। शोक की इस घड़ी में हम ऑस्ट्रेलिया के लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाता है और आतंकवाद के सभी रूपों से लड़ने का समर्थन करता है।

इन 173 दिग्गजों पर नहीं लगेगी आईपीएल ऑक्शन में बोली, जान लीजिए किस टीम पर बचा है कितना पैसा

एजेंसी नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के 19वें सीजन का पहला बिगुल आज यानी 16 दिसंबर को बजने जा रहा है। हर क्रिकेट फैन जिस पल का इंतजार कर रहा था, वो घड़ी आज यूएई के अबु धाबी के एतिहाद एरिना में आएगी। सभी 10 टीमें आज आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन (IPL 2026 Auction) में अपने-अपनी स्क्वॉयड की कमजोरियां दूर करने के लिए खिलाड़ियों की खरीद करेंगी। इस दौरान करीब 350 खिलाड़ियों का भाग्य नीलामी के हथौड़े की चोट से बनाया और बिगाड़ा जाएगा। इनमें से केवल 77 वो लकी प्लेयर होंगे, जिन्हें आईपीएल 2026 के लिए किसी न किसी टीम में जगह मिलेगी।

जहां एक तरफ हर टीम आगामी सीजन को जीतने के लिए अपनी बेंच स्ट्रेंथ को मजबूत करने के लिए नीलामी में उतरेगी, वहीं इस नीलामी में भाग ले रहे प्लेयर्स की धड़कनें भी इस दौरान ऊपर-नीचे होती हुई दिखाई देंगी। ऐसे में हम आपको उन 173 'लकी प्लेयर्स' के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें नीलामी के इस नर्वस सिस्टम रोकने वाले मूमेंट से नहीं जूझना होगा। दरअसल ये वे क्रिकेटर हैं, जिन्हें टीमों ने ऑक्शन से पहले ही अपने स्क्वॉयड में रिटेन कर लिया है यानी इनका नाम पहले से ही किसी न किसी टीम में पक्का हो चुका है। यह रिटेनर लिस्ट 15 नवंबर को जारी की गई थी, जिसे आप भी जान लीजिए। साथ ही यह भी जान लीजिए कि हर टीम के खाते में कितना पैसा बाकी है और उसे कितने प्लेयर्स की जरूरत है।

आईपीएल 2026 के ऑक्शन में सबसे ज्यादा चिंता कोलकाता नाइट राइडर्स (Kolkata Knight Riders) के माथे पर दिखाई देगी। एकतरफ उनके पास दिल खोलकर बोली लगाने के लिए सबसे ज्यादा 64.30 करोड़ रुपये का पर्स बाकी है तो उन्हें ही सबसे ज्यादा 13 प्लेयर्स को इस रकम में खरीदकर टीम तैयार करनी है। इसके उलट सबसे कम चिंता में मुंबई इंडियंस (Mumbai Indians) दिखेगी, जिसके पास महज 2.75 करोड़ रुपये हैं। हालांकि मुंबई को भी इस पैसे में 5 प्लेयर्स खरीदने हैं, जिसके चलते उसे युवा चेहरों पर दांव खेलना पड़ सकता है।

आईपीएल 2026 की तारीखों का ऐलान, ऑक्शन से पहले 19 खिलाड़ियों की खुली किस्मत

एजेंसी नई दिल्ली

IPL 2026 सीजन की तारीखों की घोषणा कर दी गई है। यह हाई-प्रोफाइल क्रिकेट लीग 26 मार्च को शुरू होगी और 31 मई तक चलेगी। यह फैसला अबू धाबी में आयोजित IPL फ्रेंचाइजी की एक महत्वपूर्ण बैठक में लिया गया। इस घोषणा के साथ ही, लीग के सीईओ हेमंग अमीन ने मंगलवार को होने वाली नीलामी से पहले ही तारीखों का ऐलान कर दिया।

उद्घाटन मैच पर संशय-

परंपरागत रूप से, IPL का पहला मैच पिछले सीजन की चैंपियन टीम के होम ग्राउंड पर होता है। लेकिन, सीजन 19 का पहला मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा या नहीं, इस पर अभी भी संशय बरकरार है। कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन को राज्य सरकार से मैच आयोजित करने की सशर्त मंजूरी तो मिल गई है, लेकिन उन्हें सुरक्षा और अन्य जरूरी नियमों को पूरा करना होगा, जिसकी उपलब्धता पर अभी भी सवाल बना हुआ है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को अबू धाबी के एतिहाद एरेना में होने वाले ऑक्शन से ठीक पहले, कुल 19 खिलाड़ियों को अंतिम लिस्ट में शामिल करने की पुष्टि की है। इनमें प्रमुख नाम भारतीय बल्लेबाज अभिमन्यू ईश्वरन का है, जिनका नीलामी में नंबर 360 है। एक फ्रेंचाइजी अधिकारी के अनुसार, नीलामी से पहले इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों को देर से जोड़ा जाना असामान्य है। उन्होंने कहा, 'इससे पहले कभी भी इतने नए नाम नहीं जोड़े गए।'

नीलामी के लिए देर से जोड़े गए कुछ अन्य खिलाड़ीः

मणि शंकर मुरा सिंह (TCA)
वीरेंद्र सिंह (मलेशिया)
केएल श्रीजीत (KSCA)
एथन बॉश (दक्षिण अफ्रीका)
क्रिस ग्रीन (ऑस्ट्रेलिया)
ब्लेसिंग मुजराबानी (जिम्बाब्वे)
बेन सीयर्स (न्यूजीलैंड)
काइल वेरिन (दक्षिण अफ्रीका)

इन नए नामों के जुड़ने के बाद, नीलामी में शामिल होने वाले खिलाड़ियों की कुल संख्या अब 369 हो गई है। सैद्धांतिक रूप से, नीलामी में अधिकतम 77 खिलाड़ियों को खरीदा जा सकता है। फिलहाल, सभी की निगाहें नीलामी पर टिकी हैं, जो यह तय करेगी कि कौन सी फ्रेंचाइजी किन खिलाड़ियों के साथ इस लंबे IPL सीजन में मैदान में उतरेगी।

टीम इंडिया का स्टार ऑलराउंडर हुआ बीमार, साउथ अफ्रीका सीरीज से बाहर, इस खिलाड़ी को मिली जगह

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ जारी T20 इंटरनेशनल सीरीज के बीच में एक झटका लगा है। टीम के स्टार ऑलराउंडर अक्षर पटेल को स्वास्थ्य कारणों से सीरीज के बाकी बचे दो मैचों से बाहर कर दिया गया है। अक्षर पटेल फिलहाल लखनऊ में टीम के साथ बने हुए हैं, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका आगे का मेडिकल जांच किया जाएगा। उनकी जगह चयन समिति ने ऑलराउंडर शाहबाज अहमद को टीम में शामिल करने की घोषणा की है। शाहबाज अहमद लखनऊ और अहमदाबाद में होने वाले बचे हुए दो T20I मैचों के लिए भारतीय टीम का हिस्सा होंगे।

अक्षर पटेल का बाहर होना टीम के लिए एक नुकसान हो सकता है, खासकर बीच के ओवरों में उनकी कसी हुई बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी और निचले क्रम में उनकी उपयोगी बल्लेबाजी को देखते हुए। हालांकि, शाहबाज अहमद उन्हीं की तरह से खिलाड़ी हैं जो अपनी बाएं हाथ की स्पिन और बल्लेबाजी की क्षमता से टीम को संतुलन दे सकते हैं। यह शाहबाज के लिए एक और बड़ा मौका होगा कि वह इंटरनेशनल लेवल पर अपनी छाप छोड़ सकें। भारतीय टीम इस पांच मैचों की सीरीज में साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपने प्रदर्शन को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। टीम इंडिया इस वक्त सीरीज में 2-1 से आगे है। ऐसे में भारतीय टीम सीरीज के अगले मुकाबले को जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। टीम इंडिया का अगला मैच लखनऊ में खेला जाएगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम अक्षर पटेल की कमी को कैसे पूरा करती है और शाहबाज अहमद को प्लेइंग इलेवन में कब और कैसे मौका दिया जाता है। इस बदलाव के बावजूद, भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के सामने एक मजबूत चुनौती पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर, और नए शामिल किए गए शाहबाज अहमद।

व्यापार

इस साल जब-जब शेयर बाजार खुले, FIIs ने हर घंटे बेचे 152 करोड़ के शेयर, आखिर क्या है संकेत

एजेंसी मुंबई

अपने शेयर बाजार की जान हैं विदेशी निवेशक (Foreign investors)। लेकिन इस साल विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाज़ारों में रिकॉर्ड तोड़ बिकवाली कर रहे हैं। साल 2025 में अब तक, विदेशी संस्थागत निवेशक (FIIs) हर ट्रेडिंग घंटे में लगभग 152 करोड़ रुपये के शेयर बेच चुके हैं। लेकिन, गज़ब की बात तो यह है कि इससे सेंसेक्स पर कोई खास असर नहीं पड़ा। इसका कारण जानते हैं?

भले ही इस साल विदेशी निवेशकों ने खूब बिकवाली की हो। लेकिन इस वजह से शेयर बाजार पर कोई खास असर नहीं दिखा। क्योंकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (DIIs) ने इन बिकवाली के झटकों को पूरी तरह से झेल लिया है। ऐसा इसलिए संभव हो पाया है क्योंकि SIP (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के ज़रिए लगातार पैसा आ रहा है। मतलब कि छोटे निवेशकों ने बाजार का थाम लिया।

हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल FIIs ने भारतीय शेयर बाज़ारों में सेकेंडरी मार्केट के ज़रिए 2.23 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा के शेयर बेचे हैं। अगर इसे ट्रेडिंग

के दिनों में बांटें, तो हर ट्रेडिंग दिन लगभग 900 करोड़ रुपये की बिकवाली हुई है, या बाज़ार खुलने के हर घंटे में करीब 152 करोड़ रुपये के शेयर बेचे गए हैं। इतनी लगातार बिकवाली के बावजूद, मुख्य शेयर बाज़ार सूचकांक (benchmark indices) मज़बूत बने हुए हैं। दिसंबर का महीना भी इसी ट्रेंड को जारी रखे हुए है। इस महीने के अब तक के सभी ट्रेडिंग दिनों में FIIs बिकवाल रहे हैं और उन्होंने एक्सचेंजों के ज़रिए करीब 15,959 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। वहीं, दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इसी अवधि में लगभग 39,965 करोड़ रुपये के शेयर खरीदकर बाज़ार को संभाला है।

FIIs की बिकवाली के बावजूद बाजार की इस मज़बूती का एक बड़ा कारण है रिटेल निवेशकों का म्यूचुअल फंड में लगातार निवेश, खासकर SIP के ज़रिए। लेकिन सवाल यह उठता है कि ये निवेशक कब तक बिकवाली कर पाएंगे, खासकर तब जब विकास की संभावनाएं मज़बूत दिख रही हैं और कंपनियों के मुनाफे में बढ़ोतरी की उम्मीद है। Geojit Investments के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट VK विजयकुमार के अनुसार, पिछले तीन महीनों से SIP में लगातार 29,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का निवेश आ रहा है। यह पैसा घरेलू संस्थागत निवेशकों को मज़बूत बना रहा है, जिसे वे FIIs और DIIs के बीच चल रही 'खींचतान' बता रहे हैं। विजयकुमार का कहना है कि जब घरेलू निवेश लगातार आता रहता है, तो विदेशी निवेशकों के लिए लगातार बिकवाली करना मुश्किल हो जाता है। उनका तर्क है कि जब अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही हो और मुनाफे की उम्मीदें बढ़ रही हों, तो बड़ी मात्रा में शॉर्ट पोजीशन (शेयरों को बेचकर बाद में खरीदने की रणनीति) बनाए रखना टिकाऊ रणनीति नहीं है। उनकी नज़र में, DIIs की FIIs की बिकवाली को झेलने की क्षमता भारत के इक्विटी इकोसिस्टम की बढ़ती परिपक्वता को दर्शाती है।

1 डॉलर = 13 लाख, इस देश की करेंसी कैसे हो गई है कूड़ा? भारत के सामने भी बड़ी चुनौती

एजेंसी नई दिल्ली

ईरान की करेंसी रियाल अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को 13 लाख के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिर गई। यानी अब एक अमेरिकी डॉलर खरीदने के लिए 13 लाख ईरानी रियाल खर्च करने पड़ेंगे। इसका सीधा मतलब है कि रियाल का मूल्य लगभग खत्म हो चुका है। यह गिरावट प्रतिबंधों के दबाव और क्षेत्रीय तनावों के बीच आई है। इससे महंगाई बढ़ गई है। घरेलू बजट पर बोझ पड़ रहा है। वहीं, इसी दिन भारत का रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 25 पैसे गिरकर 90.74 के अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। इसका मुख्य कारण भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता और विदेशी निवेशकों की बिकवाली है।

ईरान की मुद्रा रियाल सोमवार को एक बार फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिर गई। यह 13 लाख रियाल प्रति डॉलर के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई। रियाल में गिरावट ऐसे समय में आई है जब ईरान पर प्रतिबंधों का दबाव है। क्षेत्रीय तनाव भी बढ़ रहा है। पिछले दो हफ्तों से भी कम समय में रियाल 12 लाख के स्तर को पार कर गई थी। अब यह और भी नीचे चली

गई है। तेहरान में मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर का भाव 13 लाख रियाल से ऊपर चला गया है। यह 3 दिसंबर के बाद से गिरावट की सबसे तेज रफ्तार को दिखाता है, जब रियाल अपने तत्कालीन रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंची थी।

रियाल में आई इस तेज गिरावट का सीधा असर ईरान की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। महंगाई का दबाव और बढ़ गया है। खाने-पीने की चीजें और रोजमर्रा की जरूरत की दूसरी चीजें महंगी हो गई हैं। इससे आम लोगों के घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। हाल ही में पेट्रोल की कीमतों में किए गए बदलावों से यह महंगाई और बढ़ सकती है।

यह आर्थिक गिरावट ऐसे समय में आई है जब ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर चल रही बातचीत ठप होती दिख रही है। इसके अलावा, जून में ईरान और इजरायल के बीच 12 दिनों तक चले युद्ध के बाद दोबारा संघर्ष की आशंका बनी हुई है। ईरान में कई लोग एक बड़े टकराव की आशंका जता रहे हैं, जिससे बाजार की चिंता और बढ़ गई है। यह स्थिति वैश्विक निवेशकों और यहां तक कि ईरानी नागरिकों का भी अपनी राष्ट्रीय मुद्रा और देश की आर्थिक स्थिरता में गंभीर अविश्वास दर्शाती है। ईरान को अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रणाली (जैसे SWIFT) से अलग कर दिया गया है। इससे विदेशी व्यापार और लेन-देन लगभग असंभव हो गया है। अमेरिका की ओर से लगाए गए कठोर प्रतिबंधों ने ईरान के सबसे बड़े राजस्व स्रोत 'तेल निर्यात' को बुरी तरह प्रभावित किया है। जब ईरान तेल बेच नहीं पाता, तो उसे डॉलर (विदेशी मुद्रा) नहीं मिलता। दूसरी ओर, भारत का रुपया भी सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 25 पैसे गिर गया। यह 90.74 (अस्थायी) प्रति डॉलर के अबतक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ।

भारत ने किया कुछ ऐसा कमाल, चक्कर में पड़ जाएंगे ट्रंप, अब नींद उड़ना तय

एजेंसी नई दिल्ली

भारत ने कमाल कर दिया है। नवंबर में भारत का निर्यात 19.37% बढ़ा है। यह बढ़कर 38.13 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे देश का व्यापार घाटा पांच महीने के निचले स्तर 24.53 अरब डॉलर पर आ गया। इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के निर्यात में बढ़ोतरी, सोने और कच्चे तेल के आयात में कमी और अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में निर्यात का मजबूत प्रदर्शन इस सुधार के मुख्य कारण रहे। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने इस महीने को निर्यात के लिहाज से 'अच्छा महीना' बताया। वहीं, निर्यातकों के राष्ट्रीय महासंघ फियो के अध्यक्ष एस.सी. रल्हन ने निर्यात बाजारों के विविधीकरण और प्रमुख क्षेत्रों की मजबूती को इस बढ़ोतरी का श्रेय दिया। ये आंकड़े देख अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नींद उड़ना तय है। उन्होंने भारत के सामने टैरिफ की ऊंची दीवारें खड़ी की हैं। इसके बावजूद भारत के प्रदर्शन पर कुछ खास फर्क नहीं पड़ा है। ट्रंप ने भारतीय सामानों पर 50% टैरिफ लगाया है।

नवंबर 2025 में भारत का व्यापार घाटा काफी कम होकर 24.53 अरब डॉलर पर आ गया, जो अक्टूबर 2025 के 41.68 अरब डॉलर से काफी कम है। यह सुधार मजबूत निर्यात और आयात में गिरावट का संकेत देता है। सिडनी हमले के बीच 'आतंकिस्तान' बने पाकिस्तान के खिलाफ UN में एक साथ आए भारत-अमेरिका, किसपर की प्रतिबंध लगाने की मांग? वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने 15 दिसंबर को जारी सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि नवंबर का महीना आयात-निर्यात के लिहाज से 'अच्छा महीना' रहा। इस दौरान यह 38.13 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इसके उलट आयात में 1.88% की गिरावट आई और यह 62.66 अरब डॉलर रहा। पिछले साल नवंबर में व्यापार घाटा 31.93 अरब डॉलर था। इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स और रत्न एवं आभूषण जैसे क्षेत्रों के अच्छे प्रदर्शन ने व्यापार घाटा कम करने में मदद की।

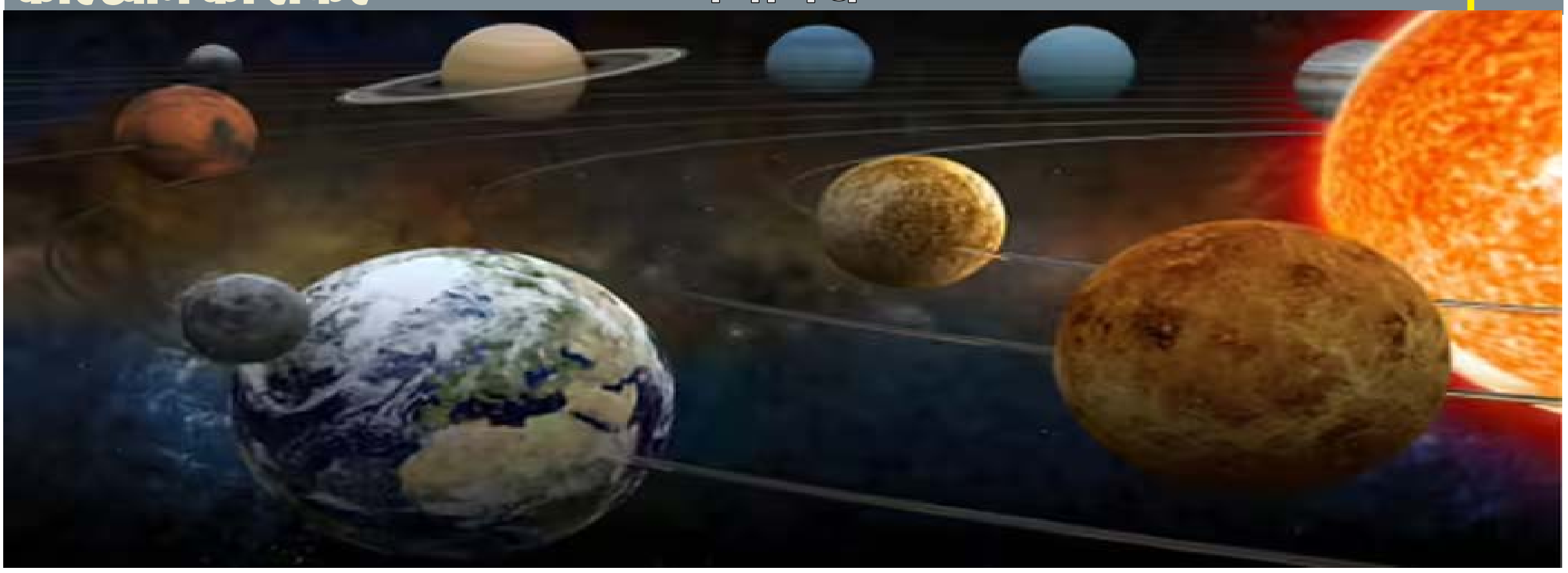

धनु संक्रांति की कुंडली से जाने अगले 30 दिनों में देश दुनिया का हाल, कड़ाके की सर्दी और बनेंगे युद्ध के हालात

सूर्य गोचर धनु राशि में 16 दिसंबर को भारतीय समयानुसार सुबह 4 बजकर 20 मिनट पर होने जा रहा है। ग्रहों के राजा सूर्य एक राशि में 30 दिनों तक रहते हैं। सूर्य के राशि प्रवेश के समय बनने वाली कुंडली को सूर्य संक्रांति कुंडली कहते हैं जिससे मेदिनी ज्योतिष के नियमों के अनुसार आगामी एक महीने के मौसम, वस्तुंओं की तेजी मंदी, राजनीतिक उठापटक आदि के संबंध में भविष्य कथन किया जाता है। किसी देश की सूर्य संक्रांति कुंडली बनाने के लिए उस देश का मानक समय और स्थान के लिए वहां की राजधानी का प्रयोग होता है। इस वर्ष सूर्य जब भारतीय समय अनुसार धनु राशि में प्रवेश करेंगे तो तुला लग्न उदय हो रहा होगा। कृष्ण पक्ष की द्वादशी तिथि को चन्द्रमा के तुला राशि में स्वाति नक्षत्र में रहते हुए सूर्य का धनु राशि में प्रवेश होगा। सूर्य के साथ धनु राशि में पाप ग्रह मंगल की युति बन रही होगी और उस पर गुरु की सातवीं दृष्टि तथा शनि की दसवीं दृष्टि के योग के कारण भूकंपन, युद्धोन्माद और राजनीतिक उठापटक से कुछ देशों में अशांति होने की आशंका बन रही है। सूर्य संक्रांति के समय धनु राशि पर मंगल, सूर्य, गुरु और शनि का केंद्रीय प्रभाव भूकंपन का योग बना रहा है। धनु राशि के प्रभाव में उत्तर प्रदेश और नेपाल विशेष रूप से आते हैं। अरब जगत और ऑस्ट्रेलिया को भी धनु राशि से देखा जाता है। आगामी 3 जनवरी की पूर्णिमा के आस-पास उत्तर भारत और नेपाल में भूकंपन का योग बन रहा है। 3 जनवरी 2026 की पूर्णिमा(दोपहर 3 बजकर 32 मिनट पर दिल्ली) की कुंडली भारत और नेपाल दोनों देशों के लिए बेहद संवेदनशील है। राजनीतिक उठा-पटक और बड़े विवादों से भारत और नेपाल के सरकारी तंत्र में बड़ी हलचल होने की संभावना जनवरी 2026 में होगी। 13 जनवरी की पूर्णिमा के दिन धनु राशि में मंगल, सूर्य, शुक्र और बुध पर ठीक सामने मिथुन राशि में गुरु और चन्द्रमा की दृष्टि भारी हिमपात के बाद भारत और नेपाल में रेकॉर्डतोड़ सर्दी पड़ने का योग है। मीन राशि में चल रहे शनि की दृष्टि धनु राशि में पड़े 4 ग्रहों पर होगी जिससे दक्षिणी गोलार्ध पर गर्मी के मौसम में चल रहे ऑस्ट्रेलिया में जनवरी 2026 में जंगलों में आग लगने से कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। अभी कुछ दिन पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेशों पर पडोसी देश वेनेजुएला की सैन्य घेराबंदी तेज हो गयी है। अमेरिकी नौसेना द्वारा वेनेजुएला के एक कच्चे तेल के टैंकर को जप्त किये जाने के बाद से तनाव ओर बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर हाल ही में कई कड़े आरोप लगाए हैं और उनको सत्ता से हटाने के संकेत भी दिए हैं। तेल के बड़े उत्पादक देश वेनेजुएला को लंबे समय से रूस, चीन और क्यूबा से सहयोग मिलता रहा है। अमेरिका के मानक समय अनुसार 15 दिसंबर 2025 को शाम 5 बजकर 50 मिनट पर सूर्य धनु राशि में प्रवेश करेंगे तब मिथुन लग्न उदय हो रहा होगा। अमेरिका की धनु संक्रांति की कुंडली में सप्तम भाव(युद्ध)में बैठे सूर्य और मंगल पर गुरु की सातवीं और शनि की दसवीं दृष्टि से एक सीमित युद्ध की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। अमेरिका की वेनेजुएला पर सैन्य कार्यवाही के बाद कच्चे तेल के दाम बढ़ने से स्टॉक मार्किट में बड़ी उठापटक हो सकती है।

सफला एकादशी व्रत कथा, इसके पाठ से सुखों से भर जाएगा जीवन, व्रत का मिलेगा पूर्ण फल

पौष मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को सफला एकादशी कहा जाता है। इस भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करने का विधान है। विधि-विधान और श्रद्धापूर्वक व्रत व पूजा करने के साथ-साथ सफला एकादशी व्रत कथा का पाठ भी अवश्य करना चाहिए। इससे जातक को जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति हो सकती है और भगवान विष्णु की विशेष कृपा मिलती है। आइए विस्तार से जानें सफला एकादशी व्रत कथा...

चम्पावती नामक एक पुरी है, यह कभी राजा माहिष्मत की राजधानी हुआ करती थी। राजर्षि माहिष्मत के 5 पुत्र थे। उनमें से ज्येष्ठ सदा पापकर्म में लगा रहता था। परस्त्रीगामी व बुरे आचरण वाला हुआ था। उसने पापकर्म में पिता के धन का नाश कर दिया। वह सदा दुराचार परायण और ब्राह्मणों का निन्दक का था। वह वैष्णवों और देवताओं की भी निंदा करता था। अपने पुत्र को इस प्रकार देखकर माहिष्मत ने राजकुमारों में उसका नाम लुंभक रखा। फिर, पिता और भाइयों ने मिलकर राज्य से बाहर कर दिया। इसके पश्चात, लुंभक नगर से निकलकर वन की ओर चला गया। वहां रहकर उस पापी ने समूचे का नगर का धन लूटा। एक दिन जब वह चोरी करने के लिए नगर में आया तब रात में पहरा दे रहे सिपाही ने उसे पकड़ लिया। किंतु, जब उसने अपने को माहिष्मत का पुत्र बताया तो सिपाहियों ने उसे जाने दिया। वह पापी वन में लौट गया और मांस तथा वृक्ष पर लगे फल खाकर और निर्वाह करने लगा। उसका विश्राम स्थान पीपल के वृक्ष के नीचे था। उस स्थान पर बहुत वर्षों पुराना पीपल लगा हुआ था। जिसे उस वन में महान देवता माना जाता था। उसी स्थान पर पापबुद्धि लुंभक निवास करता था।

बहुत दिन बीतने के बाद, फिर एक दिन किसी संचित पुण्य के प्रभाव के कारण उस द्वारा एकादशी के व्रत का पालन हो गया। पौष माह में कृष्ण पक्ष की दशमी को पापिष्ठ लुम्भक ने वृक्षों के फलों का सेवन किया और वस्त्रहीन होने के कारण पूरी रात जाड़े का कष्ट उठाया। उस समय न तो उसे नींद आई और न आराम मिल पाया। वह निष्माण-सा होने लगा था। अगले दिन सूर्योदय होने पर भी उस पापी को होश नहीं आया। इसी कारण 'सफला' एकादशी के दिन लुम्भक बेहोश पड़ा रहा। दोपहर का समय होने पर उसे चेतना मिली। फिर इधर-उधर अपनी दृष्टि डालकर वह आसन से उठ गया और लैंगड़े के प्रकार पैरों से बार-बार लड़खड़ाता हुआ वन के ओर जाने लगा। वहां वह भूख से दुर्बल और पीड़ित होता जा रहा था। राजन, उस समय लुम्भक बहुत से प्रकार के फल लेकर जैसे ही विश्राम स्थान पर वापस लौटा, वैसे ही सूर्यदेव अस्त हो गए। तब उसने वृक्ष की जड़ में बहुत से फल चुने। इसके पश्चात, निवेदन करते हुए कहा कि इन फलों से लक्ष्मीपति भगवन विष्णु संतुष्ट हो। ऐसा कहकर लुम्भक रातभर नहीं सोया। इस प्रकार उसने अनायास ही इस व्रत का पालन किया।

उस समय एक सहसा आकाशवाणी हुई कि 'राजकुमार, तुम 'सफला' एकादशी के प्रसाद से राज्य और पुत्र प्राप्त कर पाओगे।' बहुत अच्छा' कहकर उसने उस वरदान को स्वीकार कर लिया। फिर, उसका रूप दिव्य हो गया और तभी से उसकी उत्तम बुद्धि भगवान विष्णु के भजन में लग गई। दिव्य आभूषणों की शोभा से संपन्न होने के बाद उसने अकण्टक राज्य प्राप्त कर लिया और 15 वर्षों तक उसका संचालन करता रहा। भगवान कृष्ण की कृपा से उस समय लुंभक के मनोज्ञ नामक पुत्र उत्पन्न हुआ। उसके बड़े होने के पश्चात लुंभक ने तुरंत राज्य की ममता छोड़कर उसे पुत्र को सौंप दिया। वह भगवान श्रीकृष्ण के समीप चला गया और वहां जाकर मनुष्य कभी शोक में नहीं पड़ता है। राजन, इस विधि से जो भी मनुष्य सफला एकादशी का उत्तम व्रत करता है उसे इस लोक में सुख भोगकर मृत्यु के पश्चात मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस संसार में वे मनुष्य धन्य होते हैं जो 'सफला एकादशी के व्रत में लगे रहते हैं। उनका जन्म सफल है। महाराज, इसकी महिमा को पढ़ने, सुनने और उसी अनुसार आचरण करने से मनुष्य को राजसूय यज्ञ का फल प्राप्त होता है।

आर्थिक राशिफल : चंद्रमा-सूर्य का गोचर करेगा कमाल, इन राशियों को धन लाभ और करियर में मिलेगी तरक्की

मेष राशि के जातकों को प्रॉपर्टी से संबंधित क्षेत्रों में उत्तम लाभ मिलेगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और वरिष्ठों के आशीर्वाद से समाज में मान सम्मान की प्राप्ति होगी। आज आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी और आप जनता के प्रिय बने रहेंगे। सायंकाल के समय परिवार के किसी सदस्य को शारीरिक कष्ट हो सकता है। इससे आपको कुछ देर परेशानी रहेगी। हालांकि, देर रात तक सब सामान्य हो जाएगा।

वृष राशि करियर राशिफल- राशि स्वामी सप्तम प्रमुख त्रिकोण जन्म भाव में है। इसके प्रभाव से आपके शत्रुओं को बल मिलेगा। तुला राशि का चन्द्रमा षष्ठम भाव में मंगल के घर का होकर आपके अंदर निर्भीकता का भाव संचार करेगा। इसलिए आप निर्भयता से अपने कार्यों को संपन्न कराने में सक्षम रहेंगे। जीवन साथी के साथ आज संबंध बहुत मधुर रहेंगे। सायंकाल के समय अच्छे वाहन से यात्रा का संयोग बन रहा है।

मिथुन राशि करियर राशिफल- आज के दिन आपको थोड़ा सतर्क रहना होगा। इस बात का पूरा ध्यान रखना होगा कि आपकी कोई बात सामने वाले को बुरी ना लग जाए। औपचारिकता में बिल्कुल भी न उलझना, आपको जो खाना हो, जो चाहिए, बेहिचक कह देना। यदि आपका धन कहीं रुका हुआ है तो आज मिल सकता है। बुद्धि विवेक से लिए गए फैसलों से आपको लाभ होगा। सायंकाल से रात्रि का समय मंगलमय आयोजन में व्यतीत होगा।

कर्क राशि करियर राशिफल- आज के दिन आपको बिना किसी स्पष्ट कारण के अपने छोटे भाई-बहनों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाएगा। ऐसे में आपको अपने स्वभाव के प्रति गंभीर रहना होगा। अपनी कड़ी मेहनत से ही अपने कार्यों में सफल हो सकेंगे। भौतिक सुख साधनों पर खर्चा अधिक होता दिख रहा है। शत्रुओं पर आपको विजय मिलेगी और वे अपने षड़यंत्रों में सफल नहीं हो पाएंगे। आपके व्यक्तित्व के कारण दूसरे लोग आपसे संबंध बनाने की चाहत रखेंगे। रात्रि को किसी आध्यात्मिक महापुरुष से भेंट हो सकती है।

सिंह राशि करियर राशिफल- आज के दिन आपके अंदर परोपकार और दान पुण्य की भावना बढ़ेगी। आज आपका अधिक समय धार्मिक अनुष्ठानों में व्यतीत होगा। आत्म विश्वास के बल पर किए गए प्रयासों में आपको अप्रत्याशित सफलता मिलेगी। पुराने रुके हुए कार्य थोड़ा खर्च करने से बन सकते हैं। नई योजनाओं पर आज के दिन काम शुरू हो सकता है। शत्रु आपके पराक्रम को देखकर हताश होंगे।

कन्या राशि करियर राशिफल- भाग्य की दृष्टि से आज का दिन अच्छा रहेगा। यदि पिछले दिनों से शरीर में कोई कष्ट चला आ रहा है तो उसमें सुधार होगा। संतान से शुभ समाचार मिलने के संकेत दिख रहे हैं। भतीजे का सहयोग मिलने की संभावना बनी रहेगी। इस दौरान अपनी वाणी पर संयम रखें। आप अपनी कार्यकुशलता से जीत, समृद्धि और सफलता प्राप्त करेंगे।

विद्यार्थियों के लिए आज का दिन शुभ रहने वाला है। आपकी शैक्षणिक दिशा में परिवर्तन होगा। शिक्षा की ओर आपकी रुचि बढ़ेगी। नए कार्यों को सीखने का मौका मिलेगा और आप उसमें सफल भी होंगे। इस दौरान आप अपनी बातों को सही साबित करने में सफल रहेंगे। माता-पिता, गुरु के प्रति निष्ठा और भक्ति भाव प्रतिष्ठा वृद्धि में सहायक होगा। शाम के समय चोट लगने या किसी सामान के चोरी होने का भय लगा रहेगा। ऐसे में आपको सावधान रहना होगा।

वृश्चिक राशि करियर राशिफल- आज आपके लिए आमदनी में ज्यादा खर्च की स्थिति रहेगी। संतान के द्वारा किए गये श्रेष्ठ कार्यों से आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आप अपने धैर्य तथा प्रतिभा से शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। शाम से लेकर रात तक किसी प्रिय व्यक्तियों के दर्शन से मन प्रफुल्लित रहेगा। सैर-सपाटे व मौज-मस्ती में समय व्यतीत होगा।

धनु राशि करियर राशिफल- राशि स्वामी देव गुरु बृहस्पति अष्टम भाव में कर्क पर भ्रमण कर रहे है। ऐसे में आपकी विद्या, बुद्धि और ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके कठिन प्रयासों से इच्छा की पूर्ति होगी। बृहस्पति शासन का प्रतिनिधि है, इसलिए शासन द्वारा आपको सम्मानित किए जाने की प्रबल संभावना है। शाम के समय धार्मिक अनुष्ठानों पर समय व्यतीत होगा। शुभ व्यय कीर्ति की वृद्धि होगी।

मकर राशि करियर राशिफल- मकर राशि के जातकों के लिए दिन आर्थिक लाभ लेकर आ रहा है। आज आपको पूर्वजों से धन मिलने की अपार संभावना है। आपके संचित धन में वृद्धि के योग बनते दिख रहे हैं। तंत्र-मंत्र साधना में भी आपकी रुचि बढ़ सकती है। बिना मांगे किसी को सलाह न दें उस पर उल्टा ही असर होगा। रात्रि के समय पुण्य कार्य में लगेंगे, जिससे आपका मन शांत और प्रसन्न रहेगा।

कुंभ राशि करियर राशिफल- आज के दिन आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आमदनी की बढ़ोतरी के लिए किए गए प्रयास शत प्रतिशत सफल रहेंगे। श्रेष्ठ मार्गों द्वारा प्राप्त धन से कोष वृद्धि होगी। भाग्य की दृष्टि से आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपको हर क्षेत्र में लाभ की प्राप्ति होगी। आपको मित्रों का सहयोग मिलेगा एवं नए अच्छे मित्र भी मिलेंगे।

मीन राशि करियर राशिफल- आज आपकी अपनी संपत्ति में वृद्धि होगी। आपको ननिहाल से भी मान सम्मान मिलेगा। आपको पत्नी पक्ष एवं पत्नी की ओर से पूर्ण सहयोग मिलेगा। नौकरी में गुप्त शत्रु चुगली करेंगे जिससे सायंकाल के समय परेशानी हो सकती है। आपकी राशि का स्वामी बृहस्पति वक्री चल रहा है। ऐसे में अपने गुरु के प्रति निष्ठा व भक्ति भाव पूर्ण रखें।

खरमास आज से शुरू, इस दौरान क्या करें और क्या न करें

खरमास की शुरुआत आज यानी 15 दिसंबर, सोमवार से हो रही है। इस अवधि के दौरान कोई भी शुभ मांगलिक कार्य करना वर्जित माना जाता है। जब सूर्यदेव गुरु बृहस्पति की राशि धनु या मीन में प्रवेश करते हैं तो खरमास का आगाज हो जाता है। ऐसे में आज के दिन सूर्य का गोचर धनु राशि में होने के साथ ही खरमास शुरू हो रहा है। इस दौरान सूर्य का तेज कम हो जाता है और जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं यानी मकर संक्रांति के दिन खरमास का महीना समाप्त हो जाता है। ऐसे में खरमास के 30 दिनों में कुछ विशेष नियमों का खास ख्याल रखना जरूरी माना जाता है। इस अवधि में गृह प्रवेश, विवाह आदि कार्य वर्जित होते हैं और कुछ कार्यों को करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है। आइए विस्तार से जानें कि खरमास में क्या करें और क्या न करें...

खरमास के दौरान गृह प्रवेश करना वर्जित माना जाता है। ऐसा करने से घर में समस्याएं सकती हैं और यह परिवार में अशांति का कारण बन सकता है। इस अवधि में मुंडन, गृह निर्माण, विवाह, सगाई आदि कार्य करना शुभ नहीं माना जाता है। खरमास में गोद भराई, सगाई, खरीदारी और बहु का गृह प्रवेश भी नहीं करना चाहिए। इन 30 दिनों की अवधि में नए वाहन या घर खरीदारी

की करने बचना चाहिए। साथ ही, वाद-विवादों से भी दूर रहना चाहिए। मान्यता है कि खरमास के दौरान अगर आपके पास कोई जरूरतमंद व्यक्ति मदद मांगने आए तो उसे खाली हाथ वापस नहीं भेजना चाहिए। खरमास में मांस-मदिरा आदि का सेवन करना भी वर्जित माना जाता है। इससे आपके जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इस माह के दौरान दान करना बहुत लाभकारी माना गया है। ऐसे में खरमास में धर्म-कर्म और दान जैसे कार्य जरूर करने चाहिए। खरमास के दौरान रामायण, गीता और सत्यनारायण कथा का पाठ करना बहुत शुभ माना जाता है। इससे जातक को पुण्य फल की प्राप्ति हो सकती है। खरमास में पूजा, हवन, दान आदि कार्य करना भी शुभ माना गया है। इससे जातक के घर परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहता है। इन 30 दिनों की अवधि में सूर्यदेव की उपासना करने का खास महत्व होता है। ऐसे में खरमास के दौरान श्रद्धापूर्वक सूर्यदेव की पूजा करनी चाहिए। खरमास में भगवान शिव की पूजा और आराधना करने से दुखों का नाश हो सकता है। साथ ही, इस दौरान विष्णुजी की पूजा भी अवश्य करनी चाहिए। इन कार्यों को करने जीवन की कई समस्याओं से राहत मिल सकती है।

गायत्री प्रज्ञा पीठ में कार्यक्रम की पूर्णाहुति भोजन भंडारा तथा 24 यूनिट रक्तदान

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

गायत्री परिवार ट्रस्ट गायत्री प्रज्ञा पीठ सारनी में रविवार को दीप महायज्ञ के माध्यम से हमारे सनातन संस्कृति की गौरव गरिमा बढ़ाने के लिए देश को जगतगुरु सोने की चिड़िया देश में संस्कार युक्त लोगों के कारण था पुन वही नागरिक में भाव संवेदनाओं के जागरण कर्तव्य परायण बनाकर व्यक्ति को संस्कार दिये जा रहे हैं। सोमवार को गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति थी जो कई पालियो में संपन्न हुई आज भी गुरु दीक्षा सहित विभिन्न संस्कार हुए तथा 24 यूनिट रक्तदान संपन्न हुआ तथा प्रज्ञा पीठ की ओर से नगर वासियों के लिए भोजन भंडारे की व्यवस्था की गई इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विनोद कुमार कैथवार एवं सीमा कैथवार ने प्रज्ञा पीठ में समय दान देने वाली बहनों को पीली साड़ियां तथा भाइयों को झोला पुस्तकालय प्रदान किया गया, तथा शांतिकुंज हरिद्वार प्रतिनिधि टोली को शाल श्रीफल देकर मुख्य अभियंता ने सम्मानित किया तथा भोजन प्रसादी का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे,पी जे शर्मा किया गया इस अवसर पर बड़ी संख्या में गायत्री परिवार के लोग कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहे।

थाना प्रभारी के प्रयास से लग रही पेविंग ब्लाक

नपा के सहयोग से थाना परिसर का हो रहा कायाकल्प

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

नपा प्रशासन के सहयोग से थाना सारनी के परिसर का कायाकल्प हो रहा है। थाना प्रभारी जयपाल इवनाती ने थाना परिसर को सौंदर्यीकरण की दिशा मे अनूठी पहल करते हुए पेविंग ब्लॉक लगावने का कार्य शुरू किया है।बताया जाता है कि थाना प्रभारी इवनाती ने अपनी कुशल कार्य प्रणाली के चलते जनता एवं स्थानीय प्रशासन के अधिकारीयो से बेहतर तालमेल की वजह से बेहतरीन पुलिसिंग की पहचान बनाई है।जनता की शिकायत को सुनना एवं समय पर निराकरण करने से अपराधों पर भी अंकुश लगा है।महिला एवं बाल अपराधों मे बेहद कमी आई है। थाना प्रभारी ने नपा अध्यक्ष एवं सीएमओ से मुलाक़ात कर थाना परिसर मे पेविंग ब्लॉक लगाने की पहल की थी जिस पर नपा ने थाना परिसर मे पेविंग ब्लॉक लगा कर थाने का कायाकल्प कर दिया है।

सांसद खेल महोत्सव में विकास खण्ड स्तरीय रामरख्यानी स्टेडियम सारनी में विभिन्न खेलो होगा भव्य आयोजन

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

सांसद खेल महोत्सव के क्लस्टर स्तरीय आयोजन के पश्चात दूसरे चरण में विकास खण्ड स्तरीय खेलो का भव्य आयोजन रामरखानी स्टेडियम सारनी होगा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सी के मेश्राम ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन के निर्देशानुसार सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा जिसमें प्रथम चरण के क्लस्टर स्तरीय जिसमें नगर ओर आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ी का शासन से निर्धारित खेलो का आयोजन किया गया है ।इसके पश्चात 18 दिसंबर को रामरखानी स्टेडियम सारनी में कबड्डी,खो खो,एथलेटिक्स, रस्साकसी योगासन,फुटबाल, पिट्ठू,तालकटोरा स्टेडियम सारनी में वालीबॉल न्यू वेलफेयर क्लब सारनी में बैडमिंटन ओर सेंट्रल स्कूल स्कूल सारनी में बास्केटबाल खेलो का आयोजन किया जाएगा । सांसद खेल महोत्सव आयोजन के नोडल अधिकारी के के भावसार ने कहा कि जो क्लस्टर में विजेता हुए ओर जिनका चयन विकासखंड स्तर में खेलने के लिए हुए है वह सारे खिलाड़ी एवं खेल क्लब संस्था जो घोड़ाडोंगरी विकास खण्ड अंतर्गत आते है वे समस्त खिलाड़ी एवं टीम 18 दिसंबर को प्रातः नव बजे से अपने खिलाड़ियों टीम एव कोच,खेल शिक्षक,माता पिता, एव खिलाड़ी स्वय खेल मैदानों में उपस्थित होकर खेल प्रतियोगिता भाग ले सकता है।

निनोरा में जल जीवन मिशन को लेकर क्लस्टर स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला संपन्न

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित,परियोजना क्रियान्वयन इकाई (पीआईयू) उज्जैन द्वारा परियोजना प्रचार-प्रसार एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखण्ड उज्जैन की ग्राम पंचायत निनोरा में क्लस्टर स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में विकासखण्ड उज्जैन की लगभग 20 ग्राम पंचायतों के सरपंच,सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता,आशा कार्यकर्ता तथा शिक्षकगण शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम पंचायत निनोरा की सरपंच पूजा जायसवाल एवं ग्राम पंचायत उनडासा के सरपंच रमेश चंद्र शर्मा द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात जल निगम की टीम द्वारा उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। असिस्टेंट मैनेजर (कम्युनिटी) कन्हैयालाल वर्मा ने कार्यशाला के उद्देश्य एवं कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। वहीं आईएसए से संबंधित संपूर्ण जानकारी जितेंद्र वर्मा एवं मनोज खेरवाल द्वारा दी गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत निनोरा की सरपंच पूजा जायसवाल ने अपने उद्बोधन में जल जीवन मिशन को ग्रामीण विकास

की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया और सभी से योजना के सफल क्रियान्वयन में सक्रिय सहयोग का आह्वान किया। कार्यशाला में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने अपना परिचय देते हुए नल-जल योजना की उपयोगिता और आवश्यकता पर विचार साझा किए।कार्यक्रम में एमसीएम पीयूष बलदेवा ने नल-जल योजना की संपूर्ण प्रक्रिया, अंशदान,जलकर तथा शुद्ध पेयजल से होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन ग्रामीण जीवन स्तर को उन्नत करने एवं समुदाय के सर्वांगीण विकास की दिशा में सरकार की एक अत्यंत जनहितैषी योजना है। कार्यशाला के माध्यम से सभी सहभागियों को योजना के उद्देश्यों, क्रियान्वयन प्रक्रिया एवं सामुदायिक सहभागिता के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन कन्हैयालाल वर्मा द्वारा किया गया। प्रस्तावना प्रस्तुत करने का काम संतोष परिहार एवं राजेश गहलोत द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें नेहा सोलंकी एवं महक लावरे का सहयोग रहा।

मानव सेवा से बढ़कर कोई दूसरी सेवा नहीं – कैथवार

मुख्य अभियंता को अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन ने किया सम्मानित

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

मानव सेवा से बढ़कर कोई दूसरी सेवा नहीं है यदि कोई व्यक्ति दूसरे की भावना और उसकी पीड़ा को समझ कर उसका सम्मान करता है तो यह उस से बड़ी दूसरी सेवा नहीं हो सकती यह बात मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के मुख्य अभियंता विनोद कुमार कैथवार में अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन के माध्यम से सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्ति किया उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही संपूर्ण संसार की सबसे बड़ी सेवा है और इसे किसी भी कीमत पर व्यक्ति को नहीं भूलना चाहिए यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन के जिला अध्यक्ष सतीश कुमार बौरसी के नेतृत्व में आयोजित किया गया था। साथ ही मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के महाप्रबंधक नरेश पनवार एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता कपिल बांसोड़ को भी अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन के माध्यम से कर श्रीफल और प्रशंसनी पत्र देकर सम्मानित करने का कार्य किया गया संगठन के पदाधिकारी ने बताया कि सामाजिक एवं

संगठन उद्योग के रचनात्मक कार्यों के लिए इन तीनों अधिकारियों को सम्मानित करने का कार्य किया जा रहा है। इस सम्मान समारोह कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन के जिला अध्यक्ष सतीश कुमार बौरासी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन वर्ष 2016 से निरंतर कार्य कर रहा है। संगठन के पूरे प्रदेश में 54 हजार से अधिक पदाधिकारी हैं तथा बैतूल जिले में 9 हजार से अधिक जिला एवं तहसील स्तर के सदस्य सक्रिय हैं। संगठन का उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचकर उसके अधिकारों की रक्षा करना और शोषण के मामलों में न्याय दिलाने के लिए प्रयास करना है। इस उद्देश्य को लेकर संपूर्ण बैतूल जिले के 1344 गांव के 554 ग्राम पंचायत में काम करने का कार्य किया जा रहा है। सम्मान समारोह कार्यक्रम में संतोष कैथवास,राकेश सोनी,सुनील अग्रवाल,कृष्णा साहू,मुकेश सोनी,यमल शर्मा,पवन चौरसिया, मनीष जैन,हेमंत रघुवंशी,जय शिंदे,योगेश गोस्वामी,ओंमकार सिंह,उमेश बचले, संजय यादव सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949